



भारत में मोल्दोवा की राजदूत इगा इओनेली ने नई दिल्ली के निर्वाचन सदन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की।

दैनिक

राष्ट्रीय



गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, बुधवार 23 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 103 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

फिल्मों उत्कृष्ट योगदान के लिए अनंत नाग को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और उनकी उत्कृष्ट सिनेमाई यात्रा के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। गुजरात के केवडिया स्थित एकता नगर (स्टेड्यू ऑफ़ युनिटी के समक्ष) में मंगलवार को आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। अनंत नाग को यह पुरस्कार उनकी पांच दशकों से अधिक लंबी शानदार सिनेमाई यात्रा के लिए प्रदान किया गया, जिसने कलाकारों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। अभिनेता अनंत नाग ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में दादा साहब फाल्के पुरस्कार को उन कलाकारों और तकनीशियन को समर्पित किया, जिसके साथ उन्होंने काम किया। इस अवसर पर उन्होंने अभिनय के अपने शुरुआती संघर्ष से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि वह इस भव्य समारोह की गरिमा को महसूस करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसे बहुत कम समारोहों में हिस्सा लिया है और यहां उपस्थित होकर उन्हें बेहद खुशी हो रही है। अनंत नाग ने अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि उनके जीवन के शुरुआती 12 वर्ष एक आश्रम और मठ के माहौल में बीते।

दो बालिगों को अपनी मर्जी से शादी करने का अधिकार: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि दो बालिगों को अपनी मर्जी से शादी करने का अधिकार है। जस्टिस संजीव नरुला की बेंच ने कहा कि अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनने और शांति से साथ रहने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित व्यक्तिगत स्वतंत्रता, सम्मान और निजता का अहम हिस्सा है। उच्च न्यायालय ने अंतर्जातीय शादी करने वाले राजस्थान के जोड़े को पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता जोड़े की ओर से पेश वकील हसनैन अली जुबैरी और अद्वीजा भद्रा ने कहा कि लड़की की उम्र 25 साल और लड़के की उम्र 23 साल है और दोनों की जाति अलग-अलग है। दोनों अपनी मर्जी से 11 सितंबर को आर्यसमाज मंदिर खिड़की ट्रस्ट में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की शादी का रजिस्ट्रेशन 14 सितंबर को हुआ था। लड़की का कहना था कि उसके माता-पिता उनकी अंतर्जातीय शादी से खुश नहीं थे और वे धमकियां दे रहे थे। 12 सितंबर को जोड़े के वकील ने राजस्थान के झोटावाड़ा पुलिस थाने के एसएचओ को फोन कर बताया था कि दोनों ने शादी कर ली है। वकील ने झोटावाड़ा पुलिस को शादी के दस्तावेज भी उपलब्ध कराए थे। इसके बावजूद झोटावाड़ा थाने ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को संबंधित इलाके के पुलिस थाने और बीट कॉन्स्टेबल की जानकारी दी जाए।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट विवाद में कोर्ट का बड़ा एक्शन

मजिस्ट्रेट का आदेश रह कर फिर से जांच की तैयारी,मूल बिंदु पर नहीं हुआ विचार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के भारतीय नागरिकता मिलने से पहले मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के पुराने विवाद में एक नया मोड़ आ गया है। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने इस मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट के पुराने फैसले को प्रक्रियात्मक रूप से पूर्णपूरण बताते हुए निरस्त कर दिया है। शिकायत में दावा किया गया था कि सोनिया गांधी को आधिकारिक तौर पर 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त हुई थी, जबकि उनका नाम इससे करीब तीन साल पहले ही वोटर लिस्ट में जोड़ दिया गया था। राजज एवेन्सू स्थित विशेष अदालत के जज विशाल गोपने ने याचिकाकर्ता वकील विकास त्रिपाठी की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अहम फैसला सुनाया। इससे पहले 11 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस शिकायत पर किसी भी प्रकार की पुलिस जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया था। स्पेशल जज ने

अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मजिस्ट्रेट का वह फैसला तय कानूनी प्रक्रिया के तहत नहीं लिया गया था। अदालत के अनुसार, शिकायत पर फैसला सुनाने से पहले न तो पुलिस अधिकारी का पक्ष सुना गया और न ही संबंधित थाने से मामले की स्टेटस रिपोर्ट तलब की गई। विशेष अदालत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के दृष्टिकोण पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि जांच के इस स्तर पर सबसे अहम सवाल यह तय करना था कि क्या शिकायत में कोई संज्ञेय अपराध बनता है या नहीं। अदालत ने टिप्पणी की कि मजिस्ट्रेट ने इस मूल सवाल पर विचार करने के बजाय अपना ध्यान सीधे नागरिकता के कानूनी पहलुओं पर केंद्रित कर दिया, जो कि विधिक रूप से सही नहीं था। प्रक्रियात्मक खामियों के कारण पूर्व में जारी आदेश कानूनी कसौटी पर खरा नहीं उतर सका। अदालत ने पूरे मामले को वापस मजिस्ट्रेट के पास भेजते हुए निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता की शिकायत पर नए सिरे से कानूनी दलीलें सुनी जाएं और उसके बाद ही एक तर्कसंगत व कारण सहित आदेश पारित किया जाए।



सीलिंग में लापरवाही बर्दाश्त नहीं,भोपाल मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट जारी करने की मंजूरी

भोपाल। राजधानी भोपाल में रहवासी इलाकों में कमर्शियल गतिविधियों और सीलिंग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को करीब 3 घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने सीलिंग में लापरवाही पर नाराजगी जताई। कहा-रहवासी इलाकों में कारोबार नहीं होना चाहिए और स्पष्ट रूप से रहवासी उपयोग वाली जगहों पर सीलिंग या डिमोलिशन की कार्रवाई जारी रहेगी। कोर्ट ने कहा-जिन जगहों का लैंड यूज स्पष्ट नहीं है या जहां मिस्मड लैंड यूज है, वहां कार्रवाई में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। भोपाल में कई जगह निर्देशों का पूरी तरह पालन

नहीं होने पर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। कोर्ट ने साफ किया कि उसके आदेशों का पालन हर हाल में सुनिश्चित करना होगा। इसी सुनवाई में 21 साल से अटक भोपाल के नए मास्टर प्लान के ड्रॉफ्ट को जारी करने की मंजूरी भी मिल गई। सरकार फाइनल प्रकाशन से पहले कोर्ट को इसकी जानकारी देगी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्र कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय :

पार्वती रिनसी सिंचाई परियोजना की निरन्तरता के लिए 507 करोड़ 23 लाख रुपये स्वीकृत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश में बुनियादी ढांचे, कृषि विस्तार और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण को नई गति देने के उद्देश्य से लगभग 13 हजार 790 करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट बैठक में खिलाड़ियों और खेलों के विकास, किसानों, युवाओं, न्यायिक व्यवस्था और आम नागरिकों से जुड़े कई दूरगामी व जनहितैषी निर्णय लिए गए। प्रदेश की खेल और युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के 140 विधानसभा क्षेत्रों में खेल परिसरों के निर्माण व संचालन के लिए 962 करोड़ 50 लाख रुपये की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई। इन खेल परिसरों का नाम मुख्यमंत्री स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स होगा। 16वें वित्त आयोग के तहत उच्च न्यायालय (भारत),परिवार न्यायालयों, ग्राम न्यायालयों और विधिक सहायता बोर्ड के सुचारु संचालन के लिए 4,000 करोड़



रुपये से अधिक की वित्तीय निरंतरता मंजूर की गई। इसके अतिरिक्त वाणिज्यिक कर विभाग की 6 प्रमुख योजनाओं, शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर में निरंतरता के साथ ही 13 नवीन पदों तथा नवगठित जिलों मैहर, पांडुरण एवं सिंगरौली में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के नए कार्यालयों व पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई। खेलों में सिंचाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगामी पांच वर्षों 2026-2031 के लिए नीमच की

महत्वाकांक्षी जावद-नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 4,197 करोड़ 58 लाख रुपये तथा राजगढ़ की सुगुलिया एवं पार्वती रिनसी परियोजनाओं के लिए क्रमशः 262 करोड़ 63 लाख रुपये और 507 करोड़ 23 लाख रुपये की निरंतरता की स्वीकृत दी गई, इससे 88 हजार हैक्टेयर से अधिक अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इसके साथ ही प्रदेश की भविष्य की बिजली जरूरतों को सुरक्षित करने के लिए 2800 मेगावाट तथा विद्युत क्रय करने

के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई। मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ जिले की सुगुलिया सिंचाई परियोजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता के लिए 262 करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य राजगढ़ जिले के 40,000 हैक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई पद्धति द्वारा सिंचाई क्षमता में वृद्धि करना है। मंत्रि-परिषद ने नीमच जिले की जावद-नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को आगामी 5 वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता के लिए 4 हजार 197 करोड़ 58 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। जावद नीमच परियोजना एक दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई योजना है, जिससे सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाया जाएगा। परियोजना का मुख्य उद्देश्य उन्नत सिंचाई तकनीक (दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई) के माध्यम से पानी की बचत और सिंचाई क्षमता में वृद्धि करते हुये क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाना है। मंत्रि-

पीएम मोदी ने सुभाषितम् में की मनुष्य के सुख और मंगल की कामना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नेन्द्र मोदी ने आज प्रातः लोकप्रिय ऑनलाइन सोशल मीडिया और माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर हमेशा की तरह सुभाषितम् के रूप में एक श्लोक साझा किया। उन्होंने इस श्लोक के माध्यम से मनुष्य के सुख और मंगल की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी के सुभाषितम् का यह श्लोक सुत्रागण पृथिवीं धामनेसु जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि हमें हर गांव, हर घर तक पहुंचना है और उन्हें डबल इंजन सरकार की योजनाओं से जोड़ना है। सहारनपुर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों द्वारा मुजफ्फरनगर, देवबंद और सहारनपुर में कई जगहों पर शंख ध्वनि और पुष्प वर्षा के साथ भाजपा अध्यक्ष का स्वागत किया गया। भाजपा अध्यक्ष ने विभिन्न बैठकों में बारी-बारी से विधानसभा क्षेत्रवार पार्टी के संगठन और आगामी चुनाव में पार्टी की स्थिति के बारे में फीडबैक लिया।



नए कीर्तिमानों के लिए जाना जाता है। यहां हय्मोस जैसी मिसाइलों बनाई जा रही हैं। यही नए उत्तर प्रदेश की पहचान है जो हर पार्टी कार्यकर्ता और नागरिक के लिए गर्व की बात है क्योंकि हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने का निर्णय किया है। नितिन नवीन ने कहा कि आज पार्टी जिस मुकाम पर पहुंची है, वह पुराने कार्यकर्ताओं के 40-45 वर्षों के कठिन परिश्रम का परिणाम है। प्रधानमंत्री नेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का संकल्प केवल भारतीय जनता पार्टी ही पूरा कर सकती है,

समाजवादी पार्टी या कांग्रेस नहीं। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सादगी, सरलता और जन-संवाद पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्तर पर सांसदों, विधायकों और सक्रिय सदस्यों के साथ शक्ति केंद्रों पर 'पॉकेट मीटिंग' (जनता चौपाल) आयोजित की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं, भाजपा जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि हमें हर गांव, हर घर तक पहुंचना है, आम लोगों की परेशानियों को दूर करना है और उन्हें डबल इंजन सरकार की योजनाओं से जोड़ना है। सहारनपुर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों द्वारा मुजफ्फरनगर, देवबंद और सहारनपुर में कई जगहों पर शंख ध्वनि और पुष्प वर्षा के साथ भाजपा अध्यक्ष का स्वागत किया गया। भाजपा अध्यक्ष ने विभिन्न बैठकों में बारी-बारी से विधानसभा क्षेत्रवार पार्टी के संगठन और आगामी चुनाव में पार्टी की स्थिति के बारे में फीडबैक लिया।

देश से मादक पदार्थों के कारोबार को उखाड़ फेंकने का लक्ष्य : अमित शाह

केंद्रीय मंत्री ने किया एएनटीएफ के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारत ने 31 दिसंबर 2029 तक देश से मादक पदार्थों के कारोबार को सामूहिक प्रयासों से उखाड़ फेंकने का लक्ष्य तय किया है और इसके लिए सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। शाह ने यहां मादक पदार्थ निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में केवल जल्दी पर ध्यान देने के बजाय पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में लक्ष्य,



समयसीमा और जवाबदेही स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के कारोबार से निपटने के लिए 'बैठक से मिशन', 'रिपोर्ट से परिणाम', 'जब्त से नेटवर्क के खाले' और 'मामले से दोषसिद्धि' की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने एएनटीएफ को 'एंटी-नाकों मिशन कमांड' के रूप में विकसित करने पर भी जोर दिया। श्री शाह ने कहा कि जिले को, मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की मूल इकाई बनाया जाना चाहिए। इसके तहत जिलों को मादक पदार्थों के उत्पादन एवं प्रवेश वाले क्षेत्रों, परिवहन गलियारों और उपभोग वाले क्षेत्रों के तीन समूहों में बांटकर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मादक पदार्थों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए वित्तीय और डिजिटल जांच को भी प्राथमिकता देने की बात कही। गृह मंत्री ने कहा कि विदेश से मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले फरार आरोपितों को पकड़कर भारतीय अदालतों के समक्ष लाया जाएगा तथा विदेशी आरोपितों को निर्वासित करने और उन्हें नौका सूची में डालने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मादक

पदार्थों के खिलाफ अभियान में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। 'नशामुक्त मित्र' अभियान के तहत देश के 10 लाख स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थानों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 46,780 'नशामुक्त मित्र' पंजीकृत किए जा चुके हैं। शाह ने कहा कि मादक पदार्थों के कारोबार की बदलती चुनौतियों में सिंथेटिक ड्रग्स, रासायनिक अग्रदूतों का दुरुपयोग, डार्कनेट, क्रिप्टो करेंसी, नए संचार माध्यम और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क शामिल हैं। इनसे निपटने के लिए जांच और प्रवर्तन एजेंसियों को नई तकनीक तथा नए तौर-तरीकों को अपनाना होगा। इस अवसर पर शाह ने मादक पदार्थ विरोधी जागरूकता से जुड़े टेलीविजन विज्ञापनों और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की वेबसाइट का शुभारंभ किया।

सुविचार

केवल यश और नाम वाले की कोई प्रतिभा नहीं होती। - यजुर्वेद

राज्यसभा की 12 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव का आयोग ने किया ऐलान



यूपी की 10 और पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव 16 अक्टूबर को मतदान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की एक राज्यसभा सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव तथा पश्चिम बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया। सभी 12 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी। आयोग के अनुसार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 11 राज्यसभा सीटों के मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इनमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें और उत्तराखंड की एक सीट शामिल है। उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के अलावा अरुण सिंह, बृजलाल, बीएल वर्मा, नीरज शेरचर, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, रामजी, सीमा और दिनेश शर्मा शामिल हैं। उत्तराखंड से नरेश बंसल का कार्यकाल भी 25 नवंबर को समाप्त होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल की एक राज्यसभा सीट पर रंजमणी मलिक के इस्तीफा देने से हुई आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव कराया जा रहा है। चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 06 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की जांच 07 अक्टूबर को होगी तथा उम्मीदवार

09 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। 16 अक्टूबर को सुबह 09 बजे से शाम 04 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्त होने के बाद शाम 05 बजे से मतगणना शुरू होगी। राज्यसभा चुनाव में संबंधित राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य मतदान करते हैं। आयोग ने निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान प्रक्रिया के लिए मतपत्र पर वरीयता अंकित करने के वास्ते निर्धारित गैंगनी रंग के स्केच पेन के इस्तेमाल का प्रावधान किया है। ये पेन निर्वाचन अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित राज्यों में इन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आदेश आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। वहीं चुनाव आयोग ने बिहार,कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की विधान परिषदों के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से द्विवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित कर दिया। इन सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा और 27 अक्टूबर को मतगणना की जाएगी। इन चुनावों के जरिए बिहार विधान परिषद के 08, कर्नाटक के 04, महाराष्ट्र के 05 और उत्तर प्रदेश के 11 सदस्यों के कार्यकाल की समाप्ति के कारण रिक्त होने वाली सीटों को भरा जाएगा। इन निर्वाचन क्षेत्रों में संबंधित जिलों या मंडलों के पंजीकृत स्नातक और शिक्षक मतदाता मतदान करेंगे। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार चुनाव के लिए 29 सितंबर को अधिसूचना जारी की जाएगी।

सात माह की गर्भवती नाबालिग को कानूनी प्रक्रिया के बाद गृह भेजेंगे

पश्चिम मेदिनीपुर। बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन की संक्रियता के बीच मेदिनीपुर जिले के दांतन में सात माह की गर्भवती एक नाबालिग को दांतन थाने की पुलिस ने बरामद किया है। घटना को लेकर इलाके में चर्चा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नाबालिग के संबंध में सूचना मिलने के बाद उसे बरामद किया गया। नाबालिग की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को आदेश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद नाबालिग को गृह भेजने की तैयारी की गई।

दैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



कोपाल, बुधवार 23 सितम्बर 2026

www.rashtriya garima.com

पुलिस हिरासत में युवक को मौत की उर्वसरीय जांव की जाए: भाकपा

लखनऊ। भाकपा (माले) ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की पृथी कोतवाली में अर्जुन मोतम (22) की हिरासत में हुई मौत की उर्वसरीय जांव हो। माले नेता ने मानवाधिकार आयोग से भी घटना का संज्ञान लेने की अपील की है। इस घटना को लेकर भाकपा (माले) के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि अर्जुन के परिजनो ने पुलिस की बर्बर पिटाई से मौत होने का आरोप लगाया है।

फरक्का जल संधि पर बिहार के बाद बंगाल ने भी केन्द्र के सामने रखी अपनी चिंता

2 दिसंबर 1996 को हुई फरक्का जल संधि की अवधि इसी साल दिसंबर में खत्म होगी

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर 12 दिसंबर 1996 को हुई फरक्का जल संधि की अवधि इसी साल दिसंबर में समाप्त होने वाली है। संधि के नवीकरण से पहले बिहार और पश्चिम बंगाल ने अपने-अपने हितों और चिंताओं को केन्द्र सरकार के सामने रखना शुरू कर दिया है। बिहार में जेडीयू मौजूदा समझौते को उसी स्वरूप में आगे बढ़ाने के बजाय भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था और वैज्ञानिक समीक्षा की मांग कर रही है, वहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने भी



स्पष्ट किया है कि किसी भी नई व्यवस्था में राज्य के हितों को अनदेखी नहीं होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार ने केन्द्र के समक्ष मुख्य रूप से सुखे मौसम में हुगली नदी में पर्याप्त जल प्रवाह

बनाए रखने का मुद्दा उठाया है। राज्य का कहना है कि फरक्का से पर्याप्त पानी हुगली में पहुंचना जरूरी है, क्योंकि इसका सीधा संबंध हुगली की नौवहन क्षमता और कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के संचालन से है। जल प्रवाह में कमी होने पर गाद जमने और नौवहन संबंधी समस्याओं का असर बंदरगाह, व्यापार और राज्य की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल ने मालदा, मुर्शिदाबाद और नदिया में लगातार हो रहे नदी कटाव, गाद जमने और बाढ़ की समस्या को भी केन्द्र के सामने रखा है। राज्य का तर्क है कि भविष्य की जल व्यवस्था केवल भारत और बांग्लादेश के बीच पानी के बंटवारे तक सीमित

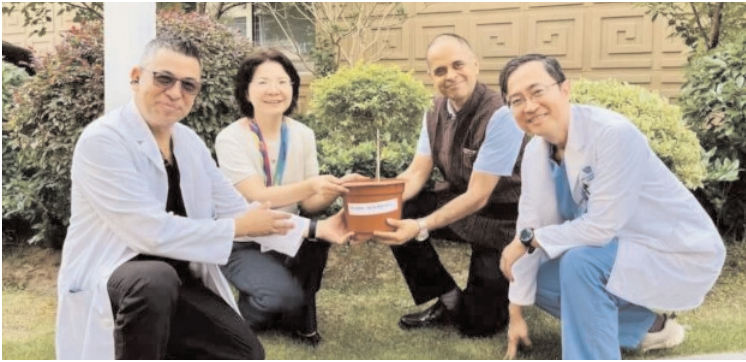
नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नदी के पर्यावरण, बदलते जल प्रवाह, भविष्य की जल जरूरतों और राज्य की विकास संबंधी आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। इन मुद्दों पर राज्य सरकार ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की आंतरिक समिति के समक्ष अपनी रिपोर्ट और चिंताएं रखी हैं तथा भारत-बांग्लादेश ज्वाइंट रिवर्स कमीशन के माध्यम से विस्तृत चर्चा की जरूरत पर जोर दिया है। वहीं, बिहार में जेडीयू ने फरक्का व्यवस्था को लेकर अलग तरह की चिंता जताई है। पार्टी का कहना है कि गंगा नदी पर फरक्का पर्वचने से पहले बिहार से होकर गुजरती है, लेकिन जल बंटवारे से जुड़े निर्णयों में राज्य की भूमिका सीधे तौर पर पर्याप्त नहीं है। जेडीयू

ने गाद जमने, नदी तल के ऊंचे होने, कटाव और बाढ़ जैसी समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए 1996 की संधि को उसी रूप में नवीनीकृत करने के बजाय भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नई व्यवस्था बनाने की मांग की है। पार्टी ने 2050 तक बिहार की पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखने तथा बातचीत में राज्य को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग भी की है। फरक्का बेराज के सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर-कम-कोऑर्डिनेटर रामजीत बर्मा ने बताया कि फरक्का जल संधि को लेकर बिहार सरकार की ओर से पत्र भेजा गया है, जबकि पश्चिम बंगाल सरकार ने भी अपने हितों और चिंताओं को मंत्रालय के समक्ष रखा है।

सरहद पार गूंजा सेवा परमो धर्म: मंत्र, भारतीय मिशनों ने मनाया सेवा पखवाड़ा

भारतीय दूतावासों ने सेवा परमो धर्म: के मूल्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीवंत किया

नई दिल्ली। विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों द्वारा सेवा पखवाड़ा के तहत बड़े पैमाने पर विभिन्न रचनात्मक और सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। हाल के दिनों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में स्थित भारतीय मिशनों ने इस अभियान को वैश्विक मंच पर ले जाते हुए पौधरोपण, खेल और सांस्कृतिक संध्या जैसे कार्यक्रमों के जरिए प्रवासी भारतीयों तथा स्थानीय समुदायों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत चीन, तंजानिया सहित विभिन्न देशों में भारतीय दूतावासों ने पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए व्यापक पौधरोपण अभियान चलाए। एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए राजनधिकों, भारतीय प्रवासियों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर दूतावास परिसरों और सार्वजनिक पार्कों में पौधे लगाए। इस पहल का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर



पर्यावरण के प्रति चेतना जगाना और हरित भविष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने ‘एक्स’ पर लिखा शंघाई में चल रहे %सेवा पखवाड़ा कार्यक्रमों के तहत,महावाणिज्य दूत प्रतीक माधुर को शंघाई यूनाइटेड फैमिली हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ शामिल होकर खुशी हुई। हम एक पेड़ मां के नाम अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं और अपनी संस्कृति के प्रति बढ़ती जागरूकता का स्वागत करते हैं।

स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और साल 2047 तक भारत को एक आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराने के लिए स्विट्ज़रलैंड, बहरीन और अन्य कई देशों में विकसित भारत रन (दौड़ प्रतियोगिता) का आयोजन हुआ। स्विट्ज़रलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा ज्यूरिख में फटिनेस, समुदाय और विकसित भारत की भावना का संगम देखने को मिला, जब स्विट्ज़रलैंड में भारतीय दूतावास ने सेवा पखवाड़ा के तहत विकसित

भारत रन का आयोजन किया। इसके अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय मिशनों द्वारा इवनिंग ऑफ आर्टिस्ट (कलाकारों की शाम) का विशेष आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक संध्या में भारतीय और स्थानीय कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य और कला प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। हांगकांग स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर लिखा हांगकांग में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सेवा पखवाड़ा के तहत कला सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत ईडिथन आर्ट्स सर्कल के सहयोग से कलाकारों की शाम का सफल आयोजन किया। यह शानदार संगीत,नृत्य और मिमिक्री (नकल) के कार्यक्रमों से सजी एक यादगार शाम रही। इन बहुआयामी आयोजनों के माध्यम से भारतीय दूतावासों ने सेवा परमो धर्म: के मूल्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीवंत किया है, जिससे वैश्विक मंच पर भारत की एक सकारात्मक और संवेदनशील छवि और मजबूत हुई है।

जाति-कुंडली की बाध्यता के बिना विवाह को बढ़ावा देगा संघ और विहिप

विहिप के केरल प्रदेश महासचिव अनिल विलायिल ने बैठक में दिया बयान

कोच्चि। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने हिंदू समुदाय में सामाजिक बदलाव और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जाति और कुंडली की बाध्यता के बिना विवाह को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही पुरुषों को शर्ट पहन कर मंदिरों में प्रवेश की सुविधा देने तथा युवाओं को सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रत्येक जिले में निःशुल्क जिम स्थापित करने की योजना बनाई गई है। विहिप के केरल प्रदेश महासचिव अनिल विलायिल ने बताया कि ये निर्णय संघ के उत्तर केरल प्रांत प्रचारक और वीएचपी के केरल पालक अधिकारी ए. विनोद की मौजूदगी में हुई बैठक में लिए गए। विलायिल के अनुसार, संगठन कुंडली मिलान को विवाह की



अनिवार्य शर्त नहीं मानते और युवाओं को इसके बिना विवाह के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उनका कहना है कि हिंदू महाकाव्यों और इतिहास में विवाह के लिए कुंडली मिलान को अनिवार्य किए जाने का स्पष्ट आधार नहीं मिलता। यह परंपरा बाद की कुछ शताब्दियों में अधिक प्रचलित हुई। संगठन का कहना है कि कुंडली संबंधी मान्यताओं के कारण कई विवाहों में अनावश्यक देरी होती है या रिश्ते तय नहीं हो पाते। संगठनों ने जातिगत बाध्यताओं से ऊपर उठकर विवाह को बढ़ावा देने

पर भी जोर दिया है। इसे प्रस्तावित पुनरुत्थान कार्यक्रम का हिस्सा बताया गया है, जिसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना और उन्हें हिंदू समुदाय तथा धार्मिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय रूप से जोड़ना है। मंदिरों में शर्ट पहनकर प्रवेश की सुविधाबैठक में पुरुषों के मंदिर प्रवेश को लेकर भी निर्णय लिया गया। वीएचपी के अनुसार, उसके प्रबंधन वाले 226 मंदिरों में पुरुषों को शर्ट पहनकर प्रवेश की अनुमति पहले ही दी जा चुकी है। पवाकुलम महादेव मंदिर और तिरुनक्करा श्रीकृष्ण स्वामी मंदिर सहित कुछ मंदिरों में यह व्यवस्था प्रायोगिक तौर पर लागू की गई है। वीएचपी अब अधिक मंदिरों में इस व्यवस्था को लागू करने के लिए अखिल केरल तंत्री समाजम से संपर्क करेगा। संगठन के अनुसार, इसका उद्देश्य पुरुषों को ऊपरी वस्त्र उतारने की असुविधा से बचना और ऐसे युवाओं को मंदिरों से जोड़ना है।

भारत की जीडीपी ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद



देश के अर्थशास्त्रीयों ने कहा मौद्रिक नीति का महंगाई पर होगा फोकस

नई दिल्ली। भारत की औसत 7.3 प्रतिशत रह सकती है और इसे मजबूत कैपिटल इनफ्लो से सहारा मिलेगा। यह बयान डीबीएस बैंक में अर्थशास्त्री राधिका राव ने मंगलवार को दिया। भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूती से की है। इस दौरान पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर विकास दर 7.8 प्रतिशत रही, जिसे मजबूत घरेलू मांग, खपत, सरकारी पूंजीगत व्यय और मैन्युफैक्चरिंग का सहारा मिला। डीबीएस बैंक की सीनियर इकोनॉमिस्ट और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राधिका

राव ने कहा, जीएसटी कलेक्शन, ई-वे बिल, बिजली की मांग और डिजिटल पेमेंट जैसे हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, वित्त वर्ष 27 की दूसरी छमाही में विकास दर के धीमे होने की उम्मीद है, क्योंकि मुश्किल वित्तीय हालात, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और बढ़ा आधार अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर असर डालेंगे। अगस्त में महंगाई दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई। चीनी, दूध, प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों और खाने के तेल जैसी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ ऊर्जा और ट्रांसपोर्ट की लागत बढ़ने से यह दबाव बना। औसत से कम मानसूनी बारिश और अल-नीनो का बढ़ता खतरा आने वाली फसल की पैदावार पर दबाव डाल

नकली पुलिसकर्मी बनकर आए थे रेप के तीन आरोपी,एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के प्रतिष्ठित कालकाजी और इस्कॉन मंदिर के समीप स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) की रूढ़ कथा देने वाली घटना सामने आई है। आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर किशोरी और उसके साथी को धमकाया और बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार सुबह एक संक्षिप्त मुठभेड़ (शॉर्ट एनकाउंटर) के बाद एक आरोपी को धर दबोचा,जबकि दो अन्य की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। दर्शन के बाद पार्क गई थी पीड़िता, नकली पुलिसकर्मी बनकर आए आरोपी पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना गत मंगलवार शाम की है,मंदिर दर्शन और पार्क-17 वर्षीय पीड़िता अपने 17 वर्षीय दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर दर्शन करने आई थीं। दर्शन करने के बाद दोनों शाम करीब 7.00 बजे पास ही स्थित आस्था कुंज पार्क में टहलने चले गए।

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM

पुनर्विचार करने का वक्त

दुनिया में बदले समीकरणों के बीच एससीओ में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नज़र आई है। इसकी संभवतः सबसे प्रमुख मिसाल चीन की महत्वाकांक्षी योजना- बीआरआई है। शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में कही गई बातों और बिशकेक घोषणापत्र पर गौर करें, तो अहसास होता है कि इस मंच पर भारत की उपस्थिति लगातार असहज होती जा रही है। अब अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। दोनों देशों के संबंध के मौजूदा हाल को देखते हुए सवाल उठता है कि क्या वहां होने वाली एससीओ की अनेक बैठकों में भाग लेने भारतीय प्रतिनिधि जाएंगे? वैसे भी दुनिया में बदले समीकरणों के बीच इस मंच में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नज़र आती है। इसकी संभवतः सबसे बड़ी मिसाल चीन की महत्वाकांक्षी योजना- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) है। किर्गिजस्तान की राजधानी में हुए शिखर सम्मेलन के बाद जारी साझा घोषणापत्र में भारत को फिर उस अनुच्छेद से खुद को अलग रखना पड़ा, जिसमें बीआरआई का समर्थन किया गया है। आठ सदस्य देशों- बेलारूस, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिजस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान- ने बीआरआई के प्रति फिर अपना समर्थन जताया। साथ ही इसे यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईईयू) के साथ जोड़ने की बात भी कही गई। ईईयू में प्रमुख भूमिका रूस की है। स्पष्टतः बीआरआई एससीओ के आर्थिक और आपसी जुड़ाव (कनेक्टिविटी) एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा कि कनेक्टिविटी बढ़ाते समय देशों की प्रादेशिक संप्रभुता का ख्याल रखा जाना चाहिए। बीआरआई के तहत निर्मित ‘चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा’ पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से गुजरता है। इसके अलावा एससीओ में ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले तथा फिलस्तीन के गज़ा में इजराइल की विनाशकारी कार्रवाई भी ऐसे मुद्दे हैं, जहां भारत का रुख एससीओ के बाकी देशों से अलग रहा है। यह अलगाव बिशकेक में भी जाहिर होता रहा। यह साफ है कि चीन, रूस, और ईरान की वैश्विक रणनीति में फिलहाल सामंजस्य बन गया है। बाकी सदस्यों को इस रणनीति पर कोई एतराज नहीं है, हालांकि उनमें से कुछ ने अमेरिकी खेमे के साथ भी अपने दांव जोड़ रखे हैं। स्पष्टतः भारत के लिए यह पुनर्विचार करने का वक्त है कि एससीओ से उसकी क्या अपेक्षाएं हैं और क्या वे पूरी हो रही हैं?

राशिफल	
मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। आज आपको कुछ समय परिवार के लिये जरूर निकालना चाहिए। आज आप किसी काम में बहुत ज्यादा व्यस्त रहेंगे। साथ ही दूसरों की कोई सलाह आपके लिये फायदेमंद सिद्ध होगी। आज बच्चों का मन पढ़ाई की ओरशा खेल कूद में ज्यादा लगेगा। वृष राशि: वृष राशि वालों आज घर पर किसी हिस्तेदार के आने से परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। साथ में कहीं घूमने भी जायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी और सोचे हुए जरूरी काम समय पर पूरे हो जायेंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको कहीं ठका हुआ पैसा वापस मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कुछ नई योजना बनायेंगे, जिसका फायदा भी होगा। आज आपका मन पूजा पाठ में अधिक लगेगा, आप धार्मिक पुस्तक पढ़ेंगे जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज व्यापार में उम्मीद से अधिक मुनाफा होने वाला है। आज आपको परिवार से कार्यों में मदद मिलती रहेगी। आज आपकी दोस्तों के साथ किसी विशेष मुद्दे पर बातचीत हो सकती है, जिससे आपको उसका समाधान मिल जायेगा। सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको संतान की तटफ से शुभ समाचार मिलेगा। आज आपका पूरा ध्यान अपने करियर को आगे बढ़ाने पर रहेगा। साथ ही आज आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर भी प्राप्त होंगे। कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपको अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे है। आज आपको ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। साथ ही परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। तुला राशि: तुला राशि वालों आज माता पिता की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल होगी, जिससे आपकी चर्चा दूर-दूर तक होगी। आज आपको गंभीर मामलों को शांति और बातचीत से सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आप परिवार के साथ कहीं घूमने जायेंगे। आज किसी काम के सिलसिले में अनजान व्यक्ति से आपकी दोस्ती होगी, जो लम्बे समय तक चलेगी। इस राशि के कला और साहित्य से जुड़े व्यक्तियों को आज कहीं परफॉर्म करने का मौका मिलेगा। साथ ही कुछ जरूरी योजनाएं आपके अनुसार पूरी होंगी। धनु राशि: धनु राशि वालों आज ऑफिस के काम को पूरा करने में आप पूरी तरह से सक्षम होंगे। इस राशि के लों की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आज आपको किसी सीनियर वकील के साथ इंटरव्यू पर करने का मौका मिलेगा। मकर राशि: मकर राशि वालों आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपकी व्यापारिक डील किसी बड़ी कम्पनी के साथ फाइनल होने की संभावना है। आज आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन होगा, जिससे परिवार में चहल चल बनी रहेगी। कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहद शानदार रहने वाला है। आज बाँस आपसे कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं रखेंगे, आप उनकी अपेक्षाओं पर खरे भी उतरेंगे। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा। साथ ही आपको किसी संस्था के माध्यम से सम्मानित भी किया जायेगा। आज आप कुछ नए लोगों के संपर्क में आ सकते हैं, जिनसे आपको फायदा भी होगा। मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला गुला रहने वाला है। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेगी। आज किसी काम में अनुमान से ज्यादा मेहनत और मेहनत लगा सकता है। आज स्वास्थ्य के प्रति आपको सजग रहने की जरूरत है और एक फूड खाने से भी बचना चाहिए।	



नई पीढ़ी को नरेंद्र मोदी से मिले उड़ान के लिए पंख

पी.वी. सिंधु

क्या होता अगर दस साल पहले कोई भारतीय युवा लड़की कहती कि उसे रॉकेट बनाना है। उसे इसरो में शामिल होकर नहीं, बल्कि अपना खुद का रॉकेट बनाना है। ऐसी स्थिति में शायद उसके आसपास के लोग खामोश रह जाते। फिर कोई बहुत सहानुभूति से उसे समझाता कि यह उसके बस की बात नहीं है। वह समझाता की अंतरिक्ष पर सिर्फ सरकार का हक होता है। इतने बड़े सपने तो दूसरे देशों के लोगों के लिए होते हैं। 18 जुलाई, 2026 को एक प्राइवेट भारतीय कंपनी का बनाया रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच गया। इस रॉकेट को स्काईरूट ने बनाया था, जिसकी बुनियाद दो नौजवान इंजीनियरों ने रखी थी। दोनों ने अपने सुरक्षित काम छोड़ कर इस लगभग नामुमकिन सपने को सच करने की ठान रखी थी। स्काईरूट की इस कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया के उन सिर्फ तीन देशों में शामिल हो गया जहां किसी आम नागरिक की प्राइवेट कंपनी अंतरिक्ष तक पहुंच सकती है। इस कामयाबी को हासिल करने वाले बाकी दो देश अमेरिका और चीन हैं। वह लड़की, जिसके सपने के पूरा होने का किसी को भी भरोसा नहीं था, अब कह सकती है- ‘‘मैं एलन मस्क बना चाहती हूं। यह कोई नारा नहीं, बल्कि मेरा पक्का इरादा है।’’ बेशक, वह अपने सपने को पूरा करने की यात्रा को शुरू कर सकती है। पिछले दस वर्षों में हमारे देश में प्रतिभाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत के पास काबिलियत हमेशा से थी। जो चीज बदली, वह था अवसर। हमारे इतिहास में ज्यादातर समय किसी बड़े सपने का जवाब यह होता था कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। इसलिए नहीं कि काबिलियत में कोई कमी थी। इसलिए कि मंजिल तक पहुंचने का दरवाजा ही बंद था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे खामोश और सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि अब वह दरवाजा खुल चुका है। इस बदलाव की गहराई को समझना बहुत जरूरी है। दशकों तक भारत में हर बड़े सपने को रूकावटों का सामना करना पड़ता था। कोई भी अहम काम करने के लिए आपको लाइसेंस, मंजूरी, जान-पहचान या प्रभावशाली परिवार के नाम की जरूरत पड़ती थी। देश में सपने देखने वालों की कभी कोई कमी नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ दरवाजों की। और जब दरवाजे कम हों तो वे सबसे पहले उनके लिए खुलते हैं जिनके पास पहले से चाबियां होती हैं। नौजवान, गरीब और वे लोग दरवाजे के बाहर ही इंतज़ार करते रह जाते थे जिनके पास कोई बड़ी पहचान नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बंद दरवाजे को देखा और समझा कि असल में इसके क्या कारण थे। उन्होंने इस बदलाव को एक ही लाइन में बयान किया- सरकार का रवैया ‘जब तक इजाज़त न हो, तब तक पाबंदी’ से बदल कर ‘जब तक मना न हो, तब तक इजाज़त’ हो गया है। उनके पूरे दशक के काम के पीछे एक पक्का संकल्प रहा है- पाबंदियों की इस दीवार को गिराना और



उसकी जगह खुले दरवाजों वाला देश बनाना। ऐसा देश जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसकी संतान हैं। फर्क इससे पड़ता है कि आप क्या बनाने की काबिलियत रखते हैं। जरा गौर करें कि क्या-क्या खुल गया है। अंतरिक्ष पर 60 साल तक सरकार का एकाधिकार रहा। 2020 में उसे उन सबके लिए खोल दिया गया जिनके पास रॉकेट छोड़ने की योग्यता थी। फिर हमारे खेतों के ऊपर का आसमान खुला। उस रूल बुक को फाड़ कर फेंक दिया गया जिसके मुताबिक एक छोटे से ड्रोन को उड़ाने के लिए दर्जनों कागज़ात और इजाज़तों की जरूरत पड़ती थी। अब किसी छोटे शहर का कोई नौजवान अपना ड्रोन बना सकता है। उसे फोन के जरिए रजिस्टर कर अपना कारोबार शुरू कर सकता है। गांवों की हज़ारों महिलाओं के हाथों में ड्रोन सॉफ़्ट दिए गए जिससे भविष्य का एक हिस्सा उनकी आजीविका का जरिया बन गया। इनमें से कुछ बदलाव बहुत दबे पांव आए लेकिन उनकी अहमियत उतनी ही ज्यादा थी। 2021 में मानचित्रों को मुक्त कर दिया ताकि किसी भारतीय कंपनी को उस देश का सर्वे करने के लिए किसी मंजूरी की जरूरत नहीं पड़े जिसमें वह पहले से काम कर रही है। 2023 में एक ही कानून के जरिए सैकड़ों कानूनों में बदलाव किया गया। इस कानून के जरिए एक हज़ार से ज्यादा वैसे मामलों में आपराधिक सजा के प्रावधान को खत्म कर दिया गया जिनका संबंध कागजी औपचारिकताओं से था। उद्देश्य यह था कि सिर्फ एक फॉर्म छूट जाने पर किसी को जेल नहीं जाना पड़े। 2014 में अंतरिक्ष से संबंधित सिर्फ एक स्टार्टअप था। लेकिन आज भारत में ऐसे लगभग 440 स्टार्टअप हैं। उस समय कोई भी ड्रोन स्टार्टअप नहीं था मगर अब इनकी संख्या सैकड़ों में पहुंच चुकी है। लेकिन सिर्फ दरवाजे खोलना

अधूरी बात होगी। एक खुले दरवाजे का कोई फायदा नहीं अगर वहां तक पहुंचने का आपके पास कोई रास्ता ही न हो। यहीं पर इस सोच की न्यायसंगतता नजर आती है। 2016 में स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के समय देश में करीब 350 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या दो लाख से ज्यादा है और इन्होंने बीस लाख से ज्यादा नौकरियां सृजित की हैं। ये अब सिर्फ बेंगलोर या दिल्ली तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि देश के हर कोने में छोटे शहरों और कस्बों तक पहुंच चुके हैं, जिनमें से एक लाख से भी अधिक की शुरुआत महिलाओं द्वारा की गई है। ये त्रुष्टा खास तौर पर उन लोगों के लिए थे जिन्हें पुरानी व्यवस्था में नज़रअंदाज़ किया गया था ज़ु जैसे दलित और आदिवासी परिवारों के पहली बार व्यवसाय शुरू करने वाले लोग और महिलाएँ। साथ ही, करोड़ों ऐसे भारतीय जिनके पास कभी बैंक खाता नहीं था, उन्हें आखिरकार इस दायरे में लाया गया, जहाँ एक साधारण फोन ही बैंक बन गया। आज एक सब्जी बेचने वाला और एक स्टार्ट-अप का संस्थापक दोनों एक ही तरीके से पैसे का लेन-देन करते हैं। युवाओं को पढ़ाने के तरीके पर भी नए सिरे से सोचा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उस व्यवस्था को बदल दिया है जिसके तहत 16 साल के छात्र को किसी एक विषय (स्ट्रीम) में जबरदस्ती दाखिल करा दिया जाता था, जो उसे जीवन भर की सजा की तरह लगता था लेकिन अब यह जीवन भर की सजा की तरह नहीं रहा। अब छात्र ऐसे विषयों को एक साथ पढ़ सकते हैं जिन्हें पहले कभी साथ नहीं पढ़ाया जाता था, किसी डिग्री को बीच में छोड़कर वहीं से दोबारा शुरू कर सकते हैं और देश से बाहर जाए बिना ही विश्वस्तरीय पढ़ाई कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया भर के विश्वविद्यालयों ने अब यहीं अपने कैम्पस खोलना शुरू कर दिया है।

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

सुरेश हिंदुरतानी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप-प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती। अभी कुछ दिनों पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिस्ती उड़ाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते-ही-देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं। यहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए? राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं।



लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मर्यादा का प्रश्न हमेशा बना रहता है। इंदौर की घटना में भी यही बहस सामने आई। इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए। विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए। सरकार यदि विपक्ष के आरोपों को गलत मानती है तो उसे आंकड़ों और तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक बहस का रास्ता है। दुर्भाग्य यह है कि आज आरोप लगाना आसान हो गया है और आरोप का जवाब भी एक नए आरोप से देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। एक नेता किसी नीति पर सवाल उठाता है तो जवाब में नीति की चर्चा करने के बजाय उसके पुराने बयान खोजे जाते हैं। किसी सरकार के निर्णय पर सवाल उठता है तो विपक्ष के पुराने कार्यकाल की कमियां गिनाई जाती हैं। किसी नेता की आलोचना होती है तो उसके जवाब में दूसरे नेता की आलोचना सामने

आ जाती है। इस प्रकार राजनीतिक संवाद एक ऐसी प्रतिस्पर्धा में बदल जाता है जिसमें यह साबित करने की कोशिश होती है कि सामने वाला अधिक गलत है। लेकिन जनता का सवाल इससे अलग है कि आप क्या करेंगे? राजनीतिक दलों की ठोस योजनाएं क्या हैं। इन सवालों का उत्तर किसी आरोप से नहीं दिया जा सकता। राजनीति में व्यक्तिगत आक्षेप इसलिए भी चिंता का विषय हैं क्योंकि वे धीरे-धीरे राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। नेता जिस भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ता है। समर्थक उसी भाषा को दोहराते हैं और फिर राजनीतिक मतभेद सामाजिक कटुता में बदलने लगते हैं। लोकतंत्र में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का अर्थ वैमनस्य नहीं है। आज विपक्ष की ओर से सरकार के प्रति पूरी तरह कटुता के व्यवहार किया जा रहा है। इंदौर के कार्यक्रम में भी कटुता का खेल खेला गया। क्या छात्र ऐसी कटुता को अपने उत्थान और विकास के लिए जरूरी मानते हैं। यह सवाल राजनीतिक दलों से पूछने का साहस भी छात्रों को करना चाहिए। यहां यह भी आवश्यक है कि इस प्रश्न को केवल एक दल या एक नेता तक सीमित न किया जाए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, राजनीतिक मर्यादा की कसौटी सबके लिए समान होनी चाहिए। यदि विपक्ष किसी नेता की मिमिक्री करता है तो उसकी समीक्षा होनी चाहिए; यदि सत्ता पक्ष विपक्षी नेताओं पर व्यक्तिगत कटाक्ष करता है तो उस पर भी उतनी ही गंभीरता से सवाल उठना चाहिए। लोकतांत्रिक मर्यादा किसी एक दल की संपत्ति नहीं है। विपक्ष को भी लोकतान्त्रिक मर्यादा के

तहत कार्यक्रम करना चाहिए। इंदौर का कार्यक्रम राजनीतिक सभा या रैली नहीं था, वह छात्रों का कार्यक्रम था इसलिए इस कार्यक्रम में प्रथम दृष्टया राजनीतिक आरोप लगाना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि वे अपने विरोधी को कितनी तीखी भाषा में जवाब दे सकते हैं। चुनौती यह है कि वे जनता के सामने अपनी नीतियों और योजनाओं को कितनी स्पष्टता से रख सकते हैं। आरोप-प्रत्यारोप से तालियां मिल सकती हैं, सोशल मीडिया पर चर्चा हो सकती है और समर्थकों का उत्साह भी बढ़ सकता है, लेकिन इससे समस्याओं का समाधान नहीं होता। बेरोजगार युवा को रोजगार चाहिए, उसे यह जानने में रुचि है कि सरकार और विपक्ष उसके लिए क्या करेंगे। विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा चाहिए, उसे यह जानना है कि परीक्षा व्यवस्था कैसे विश्वसनीय बनेगी। परिवार को सुरक्षित भविष्य चाहिए, उसे राजनीतिक कटाक्षों से अधिक ठोस नीतियों की आवश्यकता है। इसलिए आज राजनीति को फिर से मुद्दों की ओर लौटने की जरूरत है। विरोध कीजिए, लेकिन नीतियों का विरोध कीजिए। सरकार से सवाल पूछिए, लेकिन तथ्यों के साथ पूछिए। विपक्ष के आरोपों का उत्तर दीजिए, लेकिन वैकल्पिक नीति के साथ दीजिए। व्यंग्य कीजिए, लेकिन ऐसी सीमा का ध्यान रखिए जहां राजनीतिक आलोचना व्यक्तिगत अपमान में न बदल जाए। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, किंतु असहमति को संवाद में बदलना उससे भी अधिक आवश्यक है। राजनीति का उद्देश्य केवल यह सिद्ध करना नहीं होना चाहिए कि दूसरा पक्ष गलत है, राजनीति का बड़ा उद्देश्य यह बताना होना चाहिए कि जनता के लिए सही रास्ता क्या है और उस रास्ते पर चलने की योजना क्या है। आज जनता राजनीतिक दलों से यही अपेक्षा कर रही है कि वे आरोपों की राजनीति से आगे बढ़ें और समाधान की राजनीति को केंद्र में लाएं। यदि राजनीति लगातार व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती रही तो मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। और जब मुद्दे पीछे छूटते हैं, तब लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जनता की वास्तविक समस्याएं भी राजनीतिक विमर्श से बाहर होने लगती हैं। इसलिए समय की मांग स्पष्ट है कि कटाक्ष कम हों, संवाद बढ़े, आरोप कम हों, तथ्य बढ़ें और व्यक्तियों से अधिक मुद्दों पर राजनीति हो। यही लोकतंत्र की गरिमा भी है और जनता के प्रति राजनीति की वास्तविक जिम्मेदारी भी। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)



अनार के पौधे पर चिपचिपा पदार्थ? जानें बनने के कारण और उपाय



अनार का पौधा स्वस्थ दिखने के बावजूद कई बार पत्तियों, नई शाखाओं या फलों पर एक चिपचिपी परत विकसित हो जाती है। यह समस्या अक्सर पौधे में किसी छिपे हुए कीट प्रकोप या संक्रमण का संकेत हो सकती है। कई गार्डनर इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन समय रहते सही कारण की पहचान न होने पर पौधे की बड़वार प्रभावित हो सकती है, पत्तियां कमजोर पड़ सकती हैं और फल उत्पादन भी कम हो सकता है। यदि आपके अनार के पौधे पर भी ऐसा चिपचिपा पदार्थ दिखाई दे रहा है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि अनार के पौधे में चिपचिपा पदार्थ क्या होता है, स्टिकी पदार्थ बनने का कारण क्या हैं, इसके पीछे कीट जिम्मेदार हैं या कोई रोग, और अनार पर चिपचिपे पदार्थ से छुटकारा पाने के लिए कौन-कौन से प्रभावी उपाय अपनाए जा सकते हैं।

चिपचिपा पदार्थ आखिर होता क्या है?

अनार के पौधे पर दिखाई देने वाला चिपचिपा पदार्थ अक्सर कीटों द्वारा छोड़ा गया मीठा तरल होता है, जिसे हनीड्यू कहा जाता है। यह पदार्थ पत्तियों, टहनियों और फलों की सतह पर जमा हो जाता है। कई बार इसे लोग किसी फफूंद रोग का लक्षण समझ लेते हैं, जबकि वास्तविक कारण कीटों का हमला होता है। यदि समय पर इसकी पहचान न की जाए तो पौधे की वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

अनार के पौधे में चिपचिपा पदार्थ क्यों बनता है

गार्डन या गमले की मिट्टी में लगे अनार के पौधे पर चिपचिपा पदार्थ बनना अक्सर रस चूसने वाले कीटों या उनसे जुड़ी इन समस्याओं का संकेत होता है-

- माहू कीट का हमला माहू छोटे आकार के रस चूसने वाले कीट होते हैं जो अनार की नई पत्तियों और कोमल टहनियों पर तेजी से फैलते हैं। ये पौधे से पोषक तत्वों से भरपूर रस चूसते हैं और अतिरिक्त शर्करा को हनीड्यू के रूप में बाहर निकालते हैं। यही हनीड्यू पत्तियों पर चिपचिपी परत बना देता है। यदि समय रहते इन कीटों को नियंत्रित नहीं किया जाए तो पत्तियां मुड़ने लगती हैं और पौधे की वृद्धि प्रभावित हो सकती है। अनार के पौधे में चिपचिपा पदार्थ क्यों बनता है, इसका सबसे सामान्य कारण माहू कीटों का प्रकोप माना जाता है।
- मिलीबग की अधिक संख्या मिलीबग सफेद रूई जैसे दिखने वाले कीट हैं जो शाखाओं, पत्तियों और फलों पर चिपककर रहते हैं। ये लगातार पौधे का रस चूसते हैं और मीठा स्राव छोड़ते हैं। यह स्राव धीरे-धीरे पूरे पौधे पर फैलकर चिपचिपी परत का रूप ले लेता है। मिलीबग का प्रकोप अधिक होने पर पौधा कमजोर पड़ने लगता है और नई बड़वार रुक सकती है। गर्म और शुष्क मौसम में इनकी संख्या तेजी से बढ़ती है, इसलिए नियमित निरीक्षण करना आवश्यक होता है।
- सफेद मक्खी का प्रकोप सफेद मक्खियां पत्तियों की निचली सतह पर रहकर रस चूसती हैं। ये छोटे उड़ने वाले कीट होते हैं जो पौधे को लगातार नुकसान पहुंचाते हैं। इनके द्वारा छोड़ा गया मीठा तरल पत्तियों पर जमा होकर चिपचिपा दिखाई देता है। समय के साथ यह परत धूल और फफूंद को भी आकर्षित कर सकती है। सफेद मक्खी के हमले से पत्तियां पीली पड़ सकती हैं और प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

- स्केल कीटों की मौजूदगी स्केल कीट तनों और शाखाओं पर छोटे उभार जैसे दिखाई देते हैं। ये पौधे के ऊतकों से रस चूसकर जीवित रहते हैं। जब इनकी संख्या बढ़ जाती है तो ये बड़ी मात्रा में मीठा स्राव छोड़ते हैं, जिससे पौधे की सतह चिपचिपी हो जाती है। कई बार माली इन्हें पहचान नहीं पाते क्योंकि ये स्थिर रहते हैं। लंबे समय तक इनका प्रकोप बना रहने पर पौधे की ताकत कम हो जाती है और फल उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है।
- अधिक रस चूसने वाले कीट कई प्रकार के कीट जैसे एफिड्स, मिलीबग, स्केल और सफेद मक्खियां पौधे का रस चूसते हैं। जब इनकी संख्या अधिक हो जाती है तो पौधा बड़ी मात्रा में हनीड्यू से ढक जाता है। यह चिपचिपा पदार्थ पत्तियों, टहनियों और फलों पर साफ दिखाई देता है। रस चूसने वाले कीटों की अधिकता पौधे की प्रतिरोधक क्षमता को भी कमजोर करती है। इसलिए केवल चिपचिपी परत हटाना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि मूल कारण यानी कीट नियंत्रण भी जरूरी होता है।
- कालिखी फफूंद का विकास कई बार चिपचिपा पदार्थ बनने के बाद उस पर काली फफूंद विकसित हो जाती है, जिसे कालिखी फफूंद कहा जाता है। यह फफूंद स्वयं चिपचिपाहट नहीं बनाती, बल्कि पहले से मौजूद मीठे स्राव पर बढ़ती है। इसकी वजह से पत्तियों पर काली परत जम जाती है और पौधे की भोजन बनाने की क्षमता कम हो सकती है। यदि ऐसी स्थिति दिखाई दे तो यह संकेत है कि पहले किसी रस चूसने वाले कीट ने पौधे पर हमला किया था।
- पौधे की कमजोर स्थिति कमजोर पौधे पर कीटों का हमला अधिक तेजी से होता है। यदि पौधे को पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा हो या वह किसी अन्य तनाव से गुजर रहा हो, तो कीट आसानी से उस पर कब्जा कर लेते हैं। परिणामस्वरूप रस चूसने वाले कीटों की संख्या बढ़ती है और चिपचिपा स्राव भी अधिक मात्रा में दिखाई देता है। स्वस्थ और मजबूत पौधों में ऐसी समस्याएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलती हैं।
- अधिक नाइट्रोजन खाद का यूज जरूरत से ज्यादा नाइट्रोजन देने पर पौधे में कोमल और रसीली बड़वार होती है। ऐसी नई पत्तियां और टहनियां माहू तथा अन्य कीटों को आकर्षित करती हैं। जब कीट बड़ी संख्या में इन हिस्सों पर जमा हो जाते हैं तो चिपचिपा पदार्थ बनने लगता है। संतुलित पोषण प्रबंधन अपनाने से इस समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है। खाद का प्रयोग हमेशा पौधे की जरूरत और मौसम के अनुसार करना चाहिए।
- गार्डन में सफाई की कमी गिरे हुए पत्ते, सूखी शाखाएं और खरपतवार कई कीटों के छिपने और प्रजनन का स्थान बन सकते हैं। यदि बगीचे की नियमित सफाई नहीं की जाती तो कीटों की आबादी तेजी से बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप पौधे पर रस चूसने वाले कीटों का दबाव बढ़ता है और चिपचिपी परत दिखाई देने लगती है।



- नियमित निरीक्षण न करना कई बार चिपचिपा पदार्थ इसलिए अधिक दिखाई देता है क्योंकि शुरुआती अवस्था में कीटों को पहचाना नहीं जाता। यदि पौधे की नियमित जांच की जाए तो माहू, मिलीबग या सफेद मक्खी जैसे कीटों को शुरुआती स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। निरीक्षण की कमी से इनकी संख्या बढ़ती जाती है और समस्या गंभीर हो जाती है।

अनार पर चिपचिपे पदार्थ से छुटकारा पाने के उपाय -

गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे अनार के पौधे पर चिपचिपा पदार्थ दिखाई देने पर नीचे दिए गए आसान और असरदार उपाय अपनाकर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

- नियमित रूप से पौधे की जांच करें ङ्क पत्तियों, टहनियों और फलों का समय-समय पर निरीक्षण करने से कीटों की पहचान शुरुआती अवस्था में हो जाती है और समस्या को बढ़ने से पहले नियंत्रित किया जा सकता है।
- संक्रमित हिस्सों की छंटाई करें ङ्क जिन पत्तियों और शाखाओं पर कीटों का अधिक प्रकोप दिखाई दे, उन्हें काटकर हटा देने से संक्रमण का फैलाव कम होता है और पौधा तेजी से स्वस्थ होता है।
- तेज पानी की फुहार दें ङ्क पौधे पर पानी की तेज धार डालने से छोटे कीट और उनका चिपचिपा स्राव हट जाता है, जिससे पौधे को राहत मिलती है।
- नीम तेल का छिड़काव करें ङ्क नीम तेल का नियमित उपयोग रस चूसने वाले कीटों की संख्या कम करता

है और चिपचिपा पदार्थ बनने की समस्या को नियंत्रित करने में मदद करता है।

- पत्तियों को साफ रखें ङ्क चिपचिपे पदार्थ और उस पर जमी गंदगी को साफ करने से पत्तियां बेहतर तरीके से सूर्य का प्रकाश प्राप्त कर पाती हैं।
- चींटियों पर नियंत्रण रखें ङ्क चींटियां कई हानिकारक कीटों को संरक्षण देती हैं, इसलिए उनकी संख्या कम करने से समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।
- संतुलित खाद का यूज करें ङ्क उचित मात्रा में खाद देने से पौधा मजबूत बनता है और कीटों के हमले का सामना बेहतर तरीके से कर पाता है।
- लाभकारी कीटों को संरक्षण दें ङ्क लेडीबग जैसे मित्र कीट हानिकारक कीटों को खाकर उनकी संख्या नियंत्रित करते हैं और पौधे को प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करते हैं।
- आवश्यकता पड़ने पर कीटनाशक का प्रयोग करें ङ्क यदि कीटों का प्रकोप बहुत अधिक हो जाए तो कृषि विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार उचित कीटनाशक का इस्तेमाल करना चाहिए।

निकर्ष

अनार के पौधे में दिखाई देने वाला चिपचिपा पदार्थ ज्यादातर मामलों में माहू, मिलीबग, सफेद मक्खी और स्केल कीट जैसे रस चूसने वाले कीटों के कारण बनता है। यदि इस समस्या को समय पर नहीं पहचाना जाए तो पौधे की वृद्धि, फूल और फल उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए पौधे का नियमित निरीक्षण करना बेहद जरूरी है।

पौधे लगाने का सही तरीका क्या है, जानें पूरी जानकारी



पौधे उगाने की बेस्ट विधि से जुड़ा यह लेख उन गार्डनर के लिए बहुत जरूरी है, जो पौधे उगाने की अलग-अलग विधियों में से सबसे सही और आसान विधि के बारे में जानना चाहते हैं। पौधे लगाने या उगाने के कई तरीके या विधियाँ होते हैं, जैसे ग्राफ्टिंग से, बीज से और कलम से आदि। आपके लिए पौधा लगाने का सही तरीका कौन सा है, यह आपके ऊपर निर्भर करता है कि आप एक नए गार्डनर हैं या एक एक्सपर्ट गार्डनर हैं। आज हम आपको पौधे लगाने की सही विधि और हर विधि के फायदे और नुकसान भी बताते जा रहे हैं, तो इन सभी जानकारीयों के लिए यह लेख लास्ट तक जरूर पढ़ें।

पेड़ पौधे उगाने की विधियाँ

पौधा लगाने की सही विधि कौन सी है, इसे जानने से पहले आप पौधे उगाने की सबसे कॉमन विधि और उनके फायदे व नुकसान के बारे में जानना होगा, जो कि निम्न हैं :

- बीज विधि किसी भी पौधे को उगाने का सबसे अधिक सामान्य तरीका और प्रचलित विधि है, बीजों को उगाना। इस विधि में बीजों को मिट्टी में लगा दिया जाता है और इस तरह एक नया पौधा तैयार हो जाता है।
- फायदे-बीज विधि से पौधे उगाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको लगभग हर सब्जी, फल, फूल, हर्ब या अन्य पौधे के बीज बड़ी आसानी से मिल जाते हैं और आप इन्हें थोड़ी देखरेख के साथ बड़ी संख्या में ग्रो कर सकते हैं।



- नुकसान-कई पौधे जैसे मनीप्लांट, स्नेक प्लांट तथा और भी कई पौधे बीज से नहीं उगते हैं। तथा कई बार नए गार्डनर बीज को अच्छे से अंकुरित नहीं कर पाते हैं।
- कटिंग विधि अनेक पौधे जैसे मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, स्पाइडर प्लांट, एलोवेरा, गुलाब, कनेर, गुड़हल और कुछ हर्बल प्लांट्स कटिंग के माध्यम से जल्दी और ज्यादा आसानी से उग जाते हैं।
- फायदे-गुलाब, गुड़हल जैसे पौधे कटिंग से ही कम समय में उगते हैं, बीज से उगने में उन्हें बहुत अधिक समय लग जाता है। एलोवेरा जैसे पौधे बीज से नहीं उगते हैं, उन्हें केवल कटिंग से तैयार किया जाता है।

- नुकसान-कई बार जिस पौधे को आप उगाना चाहते हैं, उसकी कटिंग आसानी से आसपास नहीं मिलती है, ऐसे में आपको नर्सरी से ही पौधा लाना पड़ता है।
- हाइड्रोपोनिक बागवानी यह पौधे उगाने की एक नई तकनीक है, इसमें मिट्टी का प्रयोग किये बिना, कोकोपीट, पर्लाइट, रेत या अन्य माध्यमों का प्रयोग कर पानी में पौधे उगाये जाते हैं।
- फायदा-हाइड्रोपोनिक तकनीक से पौधे उगाने का फायदा यह होता है कि इसमें मिट्टी की जरूरत नहीं पड़ती हैं और ग्राइंग मीडियम में रोगजनक न होने की वजह से पौधा रोगों से भी सुरक्षित रहता है।
- नुकसान-हाइड्रोपोनिक विधि का नुकसान यह है कि इसका पूरा सिस्टम जमाना थोड़ा महंगा पड़ता है, इसमें बार-बार खाद डालनी पड़ती है, और इस तरीके में पौधों की देखरेख अधिक करनी पड़ती है।
- डिवीजन मेथड एलोवेरा, स्नेक प्लांट, पीस लिली, केला जैसे पौधों के नजदीक से ही अन्य छोटे पौधे उगते हैं, जिनको उखाड़कर उनसे नए पौधे तैयार किये जाते हैं। इस विधि को डिवीजन मेथड कहा जाता है। इस विधि का फायदा यह होता है कि एक बार पौधा तैयार होने के बाद उसी पौधे से अन्य पौधे तैयार किये जा सकते हैं।
- लेयरिंग विधि इस लेयरिंग विधि में गमलों या जमोने में लगे पौधों की झुकी हुई लचीली शाखा को मोड़कर जमीन में दबा दिया जाता है और मिट्टी के अंदर कुछ ही दिनों में उस शाखा में जड़ें बनने लगती हैं और नया पौधा बनने लगता है। जब उस शाखा से पौधा बन जाता है, उसके मुख्य पौधे से जुड़े हिस्से को काट दिया जाता है और इस तरह एक नया पौधा तैयार होने लगता है। इसे 'लेयरिंग विधि' कहा जाता है। लेयरिंग विधि में एक पौधे से अनेक पौधे बनाये जा सकते हैं।
- फायदा-इसका फायदा यह है कि लेयरिंग मेथड से स्ट्रॉबेरी, गुलाब और बोगनविलिया के पौधे उगाये जा सकते हैं।
- नुकसान-इस विधि की कमी यह है कि इसके द्वारा पौधा उगाना हर किसी के लिए आसान नहीं है, इसमें स्किल, समय और देखरेख की जरूरत पड़ती है।
- ग्राफ्टिंग विधि या कलम बांधना पौधे उगाने की इस ग्राफ्टिंग विधि में एक पौधे की कटिंग को लेकर दूसरे पौधे के तने में लगा दिया जाता है, इससे कुछ ही दिनों में दोनों के ऊतक आपस में ग्रो होने लगते हैं। दोनों तनों के जोड़ से एक नया तना निकलता है और पौधा तैयार होने लगता है।
- फायदा-ग्राफ्टिंग विधि द्वारा तैयार किये गये पौधों में फल-फूल जल्दी लगने लगते हैं और पौधों की रोगों से लड़ने की ताकत भी बढ़ जाती है।
- नुकसान-ग्राफ्टिंग तकनीक की कमी यह है कि इस प्रक्रिया को बहुत ध्यान से करना होता है, जिसे करने में नए गार्डनर को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

किसान अपने खेत को बनाएं स्मार्ट फार्म



कृषि क्षेत्र प्रयोगों का खजाना है। इसमें जितने भी नवाचार किए जाएं कम हैं। कोई नई तकनीकी का प्रयोग करता है तो कोई नई फसल को सफलतापूर्वक उपजाता है। ऐसे नित्य नए प्रयोग करने वाले नवाचारी किसान किसी वैज्ञानिक से कम नहीं होते। कृषि शास्त्रा में जितनी भी तकनीकें ईजाद हुई हैं, किसानों ने इन्हें स्थापित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। नवाचार वही किसान कर सकता है, जो जागरूक हो और जिन्हें भीड़ से अलग रहकर कुछ नया करना है। दिनोंदिन जलस्तर नीचे चला जा रहा है, ऐसे में प्रत्येक किसान को जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि खेती की बचाना है तो जल बचाना अनिवार्य है। इसलिए अधिक से अधिक वर्षा जल का संग्रह करें। खेत तलाई व बड़े जल हौज बनाकर यह कार्य किया जा सकता है। इसके लिए सरकार अनुदान भी देती है। जल संरक्षण से आप अपने खेत में सिंचाई कर सकते हैं।

अनिवार्य है बूंद-बूंद सिंचाई

सिंचाई की अन्य विधियों की अपेक्षा यह विधि जल का खर्च बहुत ही कम करती है। टपक सिंचाई पद्धति से आप मनचाही खेती कर सकते हैं। आदि तो टपक सिंचाई के बिना संभव ही नहीं हैं।

स्थापित करें सोलर पंप सिस्टम

बार-बार बिजली की कटौती भी खेती में बाधाएं लाती हैं। ऐसे में यदि आपके पास सोलर पंप सिस्टम हो तो सारी समस्याएं ही खत्म हो जाएंगी। जब चाहे आप अपने खेत पर खेत तलाई पर लगे टपक सिस्टम से खेती कर सकते हैं। इसके साथ ही टयूबवेल से भी इसकी सहायता से सिंचाई की जा सकती है।

अच्छे नस्ल के पशु

टिकाऊ व स्मार्ट खेती के लिए पशुपालन का होना अति आवश्यक है। पशुपालन आपकी खेती की लागत को घटाता है। इससे अच्छी खाद मिल जाती है। इसे वर्मीकम्पोस्ट व अन्य विधि से कम्पोस्ट बनाकर जब आवश्यक हो। खेत में काम ले सकते हैं। इसके अलावा दूध उत्पादन से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, जिससे किसान के छोटे-छोटे दैनिक खर्च चल सकते हैं। पशुपालन में गिर नस्ल की गाय, मुरा नस्ल की भैंस व बकरी पालन बेहद फायदेमंद रहता है।

समय का प्रबंध और पूर्व योजना होगी निर्यातक

एक आदर्श किसान को अपने खेत के किस हिस्से में कौन सी फसल अब लगानी है, इसकी पूर्व योजना तय कर लेनी चाहिए और उसके अनुरूप संसाधनों को एकत्रित कर लेना चाहिए। इससे समय रहते किसी भी आपदा, कीट-रोग आदि से बचाव कर अच्छी गुणवत्ता की उपज प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही मुदा की गुणवत्ता को भी बनाए रखने के लिए किसान को हरी खाद आदि के अलावा खेत की जुताई समय पर करनी चाहिए।

सहायक होगा फलोत्पादन व सब्जी उत्पादन

आजकल देश के प्रत्येक क्षेत्र में फलोत्पादन संभव है, चाहे राजस्थान के मरूस्थली जिले क्यों न हों। बेर, अनार, पपीता आदि का फल बेहतर गुणवत्ता की कृषि उपज बगीचा स्थापित किया जा सकता है। इसके अलावा अपने छोटे से फार्म में मल्लिङ्ग व लो टलल आदि आधुनिक तकनीकियों के सहारे वर्ष के तीनों मौसमों में सब्जी उत्पादन करके

किसान आर्थिक रूप से मजबूत बन सकते हैं। सब्जी उत्पादन एक ऐसा कार्य है, जो वर्षपर्यन्त आपको आमदनी देता है। दूध उत्पादन और सब्जी उत्पादन जिन किसानों के पास है वे अपने आप आर्थिक रूप से मजबूत हैं।

सीखें फसलों की प्रोसेसिंग

केवल फसलें उपजाना ही स्मार्ट खेत नहीं है। इसके साथ-साथ अपनी फसलों से तैयार होने वाले अन्य प्रसंस्कारित उत्पादों की भी जानकारी एवं प्रशिक्षण लेना चाहिए, जिससे आय को दोगुना करने में आसानी रहे।

नजर रखें बाजार पर

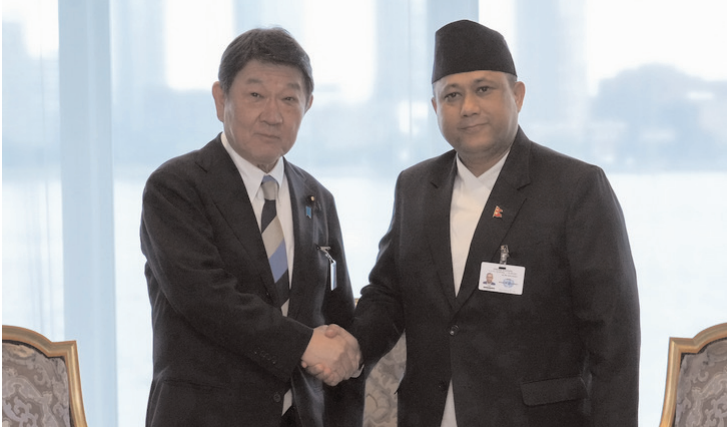
जागरूक किसान हमेशा बाजार की मांग के अनुरूप फसलें उपजाता है। इसलिए यदि अपनी खेती में स्मार्टनेस लाना चाहते हैं तो आपको बाजार की गतिविधियों और मांग का पूरा ज्ञान होना चाहिए कि किस मौसम में कौन सी फसल और कौन सी सब्जी की मांग रहती है। बाजार में सबसे पहले अपने उत्पाद भेज देने चाहिए।

अपनाएं कृषि वानिकी व आधुनिक वारा प्रणाली

प्रत्येक मेड़ पर पेड़ की तर्ज पर खते की मेड़बंदी व बाड़ के सहारेआ मदनी देने वाले कृषि वानिकी के पेड़ लगाएं, जिसमें थारशोभा खेजड़ी, सहजन, कुमंट आदि का नाम लिया जा सकता है। चारा उत्पादन के लिए नैपियर, गिनी घास के अलावा अजोला यूनिट स्थापित की जा सकती है। खेजड़ी से मिलने वाली सांगरी व सहजन से प्राप्त होने वाली फलियों से अच्छा मुनाफा मिल जाता है। इसके साथ ही सहजन और खेजड़ी की पत्तियां पशुओं के लिए चारे के रूप में काम ले सकते हैं।

नेपाल के विदेश मंत्री से मुलाकात में जापान ने आपदा राहत से दीर्घकालीन पुनर्निर्माण तक हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने अमेरिका पहुंचे जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने 21 सितंबर को नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के साथ विदेश मंत्रियों की बैठक की। स्थानीय समयानुसार शाम 4:55 बजे शुरू हुई यह बैठक करीब 30 मिनट चली। बैठक में जापानी विदेश मंत्री मोतेगी ने नेपाल में आई विनाशकारी आपदा से हुई भारी क्षति पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना जताते हुए उनके परिवारों और आपदा से प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए नेपाल सरकार द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों की भी सराहना की। मोतेगी ने कहा कि जापान आपातकालीन चरण से लेकर मध्यम और दीर्घकालीन अवधि तक नेपाल के आत्मनिर्भर प्रयासों को मजबूत करने के लिए सहयोग जारी



रखेगा। उन्होंने जापान की ओर से दी जा रही सहायता की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें आपातकालीन राहत सामग्री, अंतरराष्ट्रीय और अन्य संगठनों के माध्यम से

30 लाख अमेरिकी डॉलर की आपातकालीन अनुदान सहायता, लापता लोगों की पहचान में मदद के लिए विशेषज्ञों की टीम और डीएनए परीक्षण उपकरण

उपलब्ध कराना शामिल है। जापानी विदेश मंत्री ने कहा कि जापान नेपाल के साथ खड़ा है और लंबे समय से मित्र रहे नेपाल के लिए हरसंभव प्रयास करने का इरादा रखता है। बैठक में मोतेगी ने कहा कि इस वर्ष जापान और नेपाल के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जापान ने लगातार नेपाल में लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण और राष्ट्र निर्माण में सहयोग किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवंबर में नेपाल के अधिकारी आयोजित होने वाला 70वाँ वर्षगांठ का समारोह ‘नेपाल-जापान फेस्टिवल’ दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने में योगदान देगा। मोतेगी ने यह भी कहा कि जापान नेपाल के शाह प्रशासन के साथ मिलकर विभिन्न पहलों को आगे बढ़ाते हुए उसके प्रयासों में सहयोग जारी रखेगा। इसमें जेआईसीए के माध्यम से

नागहुंगा सुरुंग परियोजना जैसे बुनियादी ढांचा विकास, घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देना और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराने जैसे क्षेत्र शामिल हैं, ताकि नेपाल की आर्थिक वृद्धि को मजबूत किया जा सके। इसके जवाब में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने फ्लैश फ्लड से हुई क्षति के बीच जापान सरकार और वहां की जनता की ओर से व्यक्त संवेदना एवं एकजुटता के लिए आभार जताया। खनाल ने कहा कि नेपाल के अधिकारी उन विदेशी नागरिकों, जिनमें जापानी नागरिक भी शामिल हैं, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है, उनकी खोज और बचाव अभियान में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विदेश मंत्री खनाल ने नेपाल के प्रति जापान सरकार और जनता द्वारा लंबे समय से किए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

नेपाल में बाढ़ से रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित, हिल्सा बना मानसरोवर यात्रा का वैकल्पिक मार्ग

काठमांडू। नेपाल का उत्तरी सीमा नाका हिल्सा (हुम्ला) इन दिनों एक बार फिर चर्चा में है। बाढ़ के कारण रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित होने से मानसरोवर-कैलाश यात्रा प्रभावित हुई, लेकिन इसी बाधा के कारण हिल्सा वैकल्पिक अंतरराष्ट्रीय और पर्यटन मार्ग के रूप में सामने आया है। उनके अनुसार यदि हिल्सा नाके को व्यवस्थित किया जाए तो पर्यटकों की आवाजाही के साथ-साथ स्थानीय व्यापार, होटल, परिवहन, गाइड, ट्रैकिंग और रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोलानाथ गुरागाईं ने बताया कि भोटेकोशी में आई बाढ़ के बाद केरुंग की ओर यातायात प्रभावित होने से तिब्बत पहुंच चुके, लेकिन केरुंग के रास्ते नेपाल नहीं लौट पाने वाले पर्यटकों के लिए हिल्सा वैकल्पिक मार्ग बन गया है। उन्होंने कहा कि यदि हिल्सा में सड़क और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था बेहतर की जाए, तो यह एक प्रभावी वैकल्पिक मार्ग बन सकता है। उनके अनुसार हिल्सा नाके को व्यवस्थित और सुगम बनाने से पर्यटकों की आवाजाही के साथ-साथ सरकार के राजस्व में भी वृद्धि हो सकती है।



दक्षिणी लेबनान के अल मंसूरी में इजरायली सेना ने कई घरों को ध्वस्त कर दिया। यहां घरों से निकलता मलबा साफ दिख रहा है।

नेपाल-मलेशिया श्रमिक मुद्दे पर पीएम शाह और अनवर इब्राहिम के बीच टेलीफोन संवाद

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने मंगलवार सुबह मलेशिया के अपने समकक्ष अनवर इब्राहिम के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। वार्ता में नेपाल और मलेशिया के बीच वैदेशिक रोजगार को सम्मानजनक, पारदर्शी और शोषणमुक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रधानमंत्री शाह ने मलेशिया के रोजगार क्षेत्र में मौजूद सिंडिकेट और बिचौलिया व्यवस्था को लेकर अपनी ओर अपनी सरकार की असहमति स्पष्ट रूप से मलेशियाई प्रधानमंत्री के सामने रखी। उन्होंने कहा कि ऐसी अव्यावहारिक और अन्यायपूर्ण प्रवृत्तियां स्वीकार्य नहीं हैं और इनके स्थायी समाधान के लिए दोनों देशों

को संयुक्त पहल करनी चाहिए। प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि हमें सिंडिकेट और बिचौलिया तंत्र पसंद नहीं है और यह किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। इससे श्रमिक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने मलेशियाई प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे अपने श्रम मंत्री को नेपाल के श्रम मंत्री के साथ सीधे बातचीत करने और इस समस्या को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दें। प्रधानमंत्री शाह के इस रुख को सकारात्मक रूप से लेते हुए मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी कहा कि वह सिंडिकेट और बिचौलिया व्यवस्था के खिलाफ हैं।

न्यूरॉक में नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने पोलैंड के विदेशमंत्री से की मुलाकात

काठमांडू। नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने न्यूरॉक में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं विदेशमंत्री राडोस्लाव सिकोरेस्की के साथ मुलाकात की। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूरॉक में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान हुई इस द्विपक्षीय बैठक में नेपाल और पोलैंड के बीच संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों पर नेपाल और पोलैंड के बीच सहयोग को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट का दावा, ईरान की सभी एयरलाइंस बुधवार से बंद कर दी जाएंगी

न्यूरॉक। अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने दावा किया है कि 23 सितंबर से ईरान की सभी एयरलाइंस बंद कर दी जाएंगी। बेसेंट ने कहा, हम ऐसा कैसे करेंगे? अगर वे कहीं उतरती हैं, तो आप उन्हें फ्यूल नहीं दे सकते। आप उन्हें लैंडिंग सर्विस नहीं दे सकते, आप उन्हें टिकट नहीं दे सकते, वरना आपको डॉलर सिस्टम से बाहर कर दिया जाएगा। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बेसेंट ने यह दावा उनके स्काक बॉक्स प्रोग्राम में किया। वित्त सचिव ने कहा कि वाशिंगटन ईरान पर पहले से कहीं ज्यादा दबाव डाल रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में ईरान की मदद करने वालों को उनके बैंकों पर प्रतिबंध लगाकर रोक रहा है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रालय ने पिछले हफ्ते रूस के सरकारी वीटीबी बैंक पर नए प्रतिबंधों की घोषणा इसी आशय से की। यह ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश का हिस्सा हो था। इस घटनाक्रम के बीच खबर यह है कि ब्रिटेन ईरान समर्थित ह्ती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी

अरब का समर्थन करेगा। रॉयल एयर फ़ोर्स सऊदी विमानों को हवा में ही फ्यूल भरने (एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग) की सुविधा देगी। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने पत्रकारों को बताया कि यह व्यवस्था कुछ हफ्तों के लिए होगी और इसकी समीक्षा लगातार होगी। यह कदम तब उठाया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सप्ताहांत में विद्रोहियों के खिलाफ मदद के लिए रिवाद के अनुरोध को ठुकरा दिया था। ह्ती विद्रोहियों ने हाल ही में लाल सागर में यमन के पेरिस द्वीप पर कब्जा कर लिया है। इससे बाब अल-मदेब जलडमरूमध्य पर उसकी पकड़ मजबूत हो गई है। इससे ईरान और उसके सहयोगी दो बहेद अहम तेल चोकर पॉइंट (संवेदनशील रास्ते) – बाब अल-मदेब और सागर जलडमरूमध्य पर नियंत्रण करने की स्थिति में आ गए हैं। बाब-अल-मदेब जलडमरूमध्य तेल निर्यात के लिए होमुंज जलडमरूमध्य का एक अहम विकल्प है, खासकर सऊदी अरब के लिए।

संयुक्त राष्ट्र में नेपाल के विदेश मंत्री ने की भूटान के प्रधानमंत्री से मुलाकात

न्यूरॉक। संयुक्त राष्ट्र संघ की 81वीं महासभा में भाग लेने के लिए न्यूरॉक आए नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भूटान के प्रधानमंत्री छिरिंग तोबो से सोमवार को मुलाकात की। भूटान के प्रधानमंत्री ने मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए खुशी जताई। उन्होंने ‘एक्स’ पर लिखा, आज न्यूरॉक में श्री शिशिर खनाल से मुलाकात कर खुशी हुई। इस कठिन समय में नेपाल के प्रति भूटान की एकजुटता फिर से व्यक्त की। नेपाल में हाल में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और पुर्ननिर्माण के लिए शुभकामनाएं दें। विदेश मंत्री शिशिर खनाल रविवार शाम काठमांडू से न्यूरॉक के लिए रवाना हुए थे। न्यूरॉक में खनाल संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र के तहत विभिन्न अंतररा्य बैठकों, साइड इवेंट और मंत्रिस्तरीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान वह अपने समकक्षों और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह मंगलवार दोपहर संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए नेपाली प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो रहे हैं।

पाकिस्तान में पीटीआई के 27 सितंबर के मार्च से डरी सरकार, इस्लामाबाद को बदला जा रहा है छावनी में



इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसफ (पीटीआई) की 27 सितंबर को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन की घोषणा से संघीय सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। संघीय राजधानी को अभेद्य दुर्ग में बदला जा रहा है। संघीय सरकार ने स्थानीय अधिकारियों की मदद के लिए सिंध और पंजाब से हजारों अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को इस्लामाबाद में तैनात करने का निर्णय लिया है। पीटीआई ने जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई की मांग की है। द न्यूज की रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिंध से लगभग 1,950 पुलिस अधिकारी और कर्मी मंगलवार रात तक इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं। पंजाब की 19,000 पुलिसकर्मी और अहसान जमाल, दावर कुंडी, गौस मुहम्मद और दो दिनों में राजधानी पहुंच सकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि संघीय सरकार ने 23,000

पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के लिए पंजाब से मदद मांगी थी। सूत्रों ने यह भी कहा कि सिंध, पंजाब और फ़ाटियर कॉर्पस के कर्मियों के ठहरने की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) ने भी प्रस्तावित मार्च के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। कहा गया है कि सार्वजनिक सड़कों और अन्य सुविधाओं में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस्लामाबाद पुलिस ने एमएनए आदिल बजई को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे राजधानी में हिरासत में लिए गए पीटीआई सांसदों की संख्या छह हो गई है। हिरासत में लिए गए सांसदों में सीनेटर सैफुल्ला नियाजी, एमएनए सनाउल्लाह मस्ती खेत, मियां अहसान जमाल, दावर कुंडी, गौस मुहम्मद और आदिल बजई शामिल हैं। उन्हें %मेट्रेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर (एमपीओ) अध्यादेश की धारा

पाकिस्तान के फौलड मार्शल मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फ़ोर्सेज (सीडीएफ) और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) फौलड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने मंगलवार को कोर मुख्यालय पेशावर का दौरा किया। उन्होंने सैन्य अधिकारियों से खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि अधिकारियों ने उन्हें केपी की मौजूदा सुरक्षा स्थिति, वहां चल रहे आतंकवाद-विरोधी अभियानों, सीमा प्रबंधन उपायों और प्रांत में तैनात टुकड़ियों की ऑपरेशनल तैयारियों के बारे में जानकारी दी। मुनीर ने अधिकारियों और जवानों के उच्च मनोबल, तत्परता और व्यावसायिकता का सराहना की। उन्होंने सैन्य टुकड़ियों को सतर्क रहने और ऑपरेशनल तैयारियों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया। सेना प्रमुख ने जोर दिया कि सशस्त्र बल, देश के अटूट समर्थन के साथ, आतंकवाद को हराने और देश भर में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के अपने संकल्प पर आसिम हैं। फौलड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने यागार-ए-शुहदा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शहीदों की श्रद्धांजलि दी।

सक्षिप्त समाचार

बलोचिस्तान के कलात जिले के परोद, शूर, गजाग को खाली करने का आदेश

क़ेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। कलात जिला प्रशासन ने परोद, शूर और गजाग इलाकों में रहने वाले लोगों को 28 सितंबर, 2026 तक दूसरी जगह जाने का निर्देश दिया है। इस बारे में कलात और खलीकाबाद के असिस्टेंट कमिश्नर ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि कानून और व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए इन इलाकों के रहने वाले लोग तय तारीख तक खाली कर दें। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, नोटिस में सभी संबंधित लोगों से अपील की गई है कि वे जिला प्रशासन के आदेशों का पालन करें। उल्लेखनीय है कि सितंबर की शुरुआत में बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री ने भी शूर, परोद के पहाड़ी इलाके से लगभग 1,000 लोगों को दूसरी जगह भेजने की बात कही थी। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इस समय बलोचिस्तान के ज्यादातर इलाकों में अघोषित सैन्य अभियान शुरू है। कई इलाकों में सेना के हवाई हमलों और ड्रोन हमलों में आम लोग मारे गए और घायल हुए हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, केच जिले की तहसील मंड के रिडिंडा इलाके में बड़ी संख्या में हथियारबंद लोग घुस आए। इन लोगों ने पाकिस्तानी सेना के कैंप को भी निशाना बनाया। हथियारबंद लोगों ने नक़्स्टम चेक पोस्ट में आग लगा दी।

श्रीलंका के अंपारा में मानव-हाथी

टकराव रोकने के लिए अहम फैसला

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने अंपारा जिले में बढ़ते मानव-हाथी टकराव से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें ज्यादा जोखिम वाले इलाकों में 14 नई हाथी नियंत्रण इकाइयां बनाना शामिल है। यह फैसले 20 सितंबर को पर्यावरण मंत्री डॉ. डम्मिका पताबेंडी की अध्यक्षता में हुई अंपारा जिला मानव-हाथी टकराव प्रबंधन समिति की विशेष बैठक में लिए गए। 14 हाथी नियंत्रण इकाइयों को स्थापित करने का शुरुआती चरण पहले ही शुरू हो चुका है। द मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, पर्यावरण मंत्री डॉ. डम्मिका पताबेंडी ने अधिकारियों को इनके काम को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में कचरे से ऊर्जा बनाने वाली परियोजना शुरू करने पर भी चर्चा हुई। यह अड्डुलाईचेनाई कचरा डंप से जुड़ी पर्यावरणीय समस्याओं का एक दीर्घकालिक समाधान हो सकता है, क्योंकि यह डंप जंगली हाथियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बैठक में मानव और भौतिक संसाधनों को बढ़ाकर जमीनी कामकाज को मजबूत करने पर भी ध्यान दिया गया। इसके तहत, वन्यजीव संरक्षण विभाग की मदद के लिए सिविल सुरक्षा विभाग ने 1,463 कर्मियों और मल्टी-पर्पज डेवलपमेंट टास्क फोर्स के 552 अधिकारियों को तैनात किया गया है। वन्यजीव विभाग को 38 मोटरसाइकिलें और दो डबल-कैब वाहन भी मिले हैं। अगले दो हफ्तों में वन्यजीव कार्यालयों को नौ और सिंगल-कैब वाहन दिए जाने की योजना है। समिति ने गांव स्तर की समितियां बनाने का भी फैसला किया, जो इस टकराव के प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी को मजबूत करने के लिए हर महीने बैठक करेंगी। ये समितियां इलेक्ट्रिक फेंसिंग (बिजली के बाड़) और हाल ही में लगाए गए फ्लिग गेट्स के रखरखाव में मदद करेंगी। साथ ही, वन क्षेत्रों में मवेशियों के अनधिकृत प्रवेश को रोकने और संरक्षित क्षेत्रों से पहले से मौजूद ऐसे मवेशियों के झुंड को हटाने के लिए कानूनी और प्रशासनिक कदम भी उठाए जाएंगे।

नेपाल में शुक्रवार से रविवार तक भारी बारिश

का अलर्ट, 42 जिलों में बाढ़-भूस्खलन का खतरा

काठमांडू। नेपाल के मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को विशेष मौसम बुलेटिन में आगामी शुक्रवार से रविवार तक देश के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक और बिजली के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने कुछ इलाकों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। विभाग के अनुसार शुक्रवार से रविवार तक गंडकी और लुंबिनी प्रदेश में मौसम का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। इन दोनों प्रदेशों में कई स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मधेश प्रदेश को छोड़कर छह प्रदेशों के 42 जिलों में अर्रिज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का जोखिम अधिक बताया गया है। मौसम विभाग ने गंडकी प्रदेश के सभी 11 जिलों को अर्रिज अलर्ट में रखा है। लुंबिनी प्रदेश के 12 जिलों में से रोल्पा, बांके और बर्दिया को छोड़कर बाकी सभी जिलों में अर्रिज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा मधेश, कोशी, बागमती और सुदूरपश्चिम प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश, जबकि कर्णाली प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने 35 अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों में बारिश की संभावना है और लोगों को मौसम संबंधी सूचनाओं पर नजर रखते हुए नियमित रूप से अपडेट रहने की सलाह दी गई है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के मौसमविद् रोजन लामिछाने ने बताया कि मौजूदा स्थिति के आधार पर अगले तीन दिनों तक लगातार बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश होने और कुछ स्थानों पर अत्यधिक बारिश की भी संभावना है। निम्न दबाव वाले क्षेत्र का प्रभाव बुधवार से पूर्वी नेपाल में पड़ने की संभावना है, इसलिए हम नियमित निगरानी कर रहे हैं। यदि किसी विशेष क्षेत्र में बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना दिखे, तो रेड अलर्ट भी जारी किया जाएगा।

नेपाल में बाढ़ प्रभावितों के लिए अस्थायी

आवास की व्यवस्था में जुटी सरकार

काठमांडू। नेपाल सरकार ने रसुवा के भोटेकोशी बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए अस्थायी आवास की व्यवस्था को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। बुनियादी ढांचा विकास मंत्रालय तथा भूमि व्यवस्था, सहकारी, संघीय मामले और सामान्य प्रशासन मंत्रालय इस काम को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। इस अभियान में बाढ़ प्रभावित स्थानीय निकाय भी सहयोग कर रहे हैं। भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्रालय के सचिव की संयोजकता में गठित समिति में विभिन्न विभागों के चार महानिदेशक और सभी प्रभावित क्षेत्रों के स्थानीय निकाय प्रमुख शामिल हैं। संबंधित स्थानीय निकाय अपने-अपने क्षेत्रों की जरूरतों का विवरण समिति को उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार के फैसले के अनुसार, यदि बाढ़ प्रभावित नागरिक खुद किराए पर कमरा लेकर रहना चाहते हैं, तो चार सदस्यों तक के परिवार को हर महीने 15 हजार नेपाली रुपये दिए जाएंगे। चार से अधिक सदस्य होने पर प्रत्येक अतिरिक्त सदस्य के लिए 2 हजार नेपाली रुपये अतिरिक्त उपलब्ध कराए जाएंगे। मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय पहले ही लिया जा चुका है। वहीं, जिन प्रभावित परिवारों के पास किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर जमीन है, वहां सरकार मॉड्यूलर घर बनाने की तैयारी कर रही है। जिन परिवारों के पास सुरक्षित जमीन भी नहीं है, उनके लिए सरकार खुद जमीन की व्यवस्था करेगी और वहां मॉड्यूलर घर बनाए जाएंगे। इसके लिए आवश्यक विवरण जुटाने का काम जारी है। भूमि मंत्रालय ने सुरक्षित जमीन की पहचान का काम तेज कर दिया है, जबकि भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्रालय मॉड्यूलर घरों की व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर रहा है। सरकार के प्रारंभिक सर्वेक्षण के अनुसार, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 60 प्रतिशत परिवार किराए के कमरे में रहने का विकल्प चाहते हैं। वहीं, 20 प्रतिशत परिवार अपनी जमीन पर घर की व्यवस्था चाहते हैं, जबकि अन्य 20 प्रतिशत परिवारों के पास सुरक्षित जमीन भी नहीं है। सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों के स्थायी पुनर्वास के लिए भी काम शुरू कर दिया है। प्रारंभिक योजना के तहत प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस एक नया शहर विकसित कर वहां पुनर्वासित करने की अवधारणा पर काम किया जा रहा है।

एशियाई खेल: भारत ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर जीता स्वर्ण पदक



भारतीय रिपनरों ने बरपाया कहर, मात्र 69 रन पर रिमटी श्रीलंकाई टीम

आइची-नगोया। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की शानदार बल्लेबाजी के बाद भारतीय स्पिनरों के कहर की बंदौलत भारत ने मंगलवार को एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीत लिया। यह मौजूदा एशियाई खेलों में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। भारत के अब सात पदक हो गए हैं, जिसमें एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य शामिल हैं। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए थे। जवाब में

जापान को 3-0 से हराकर भारत ने पुरुष टीम बैडमिंटन में पदक पक्का किया

आइची-नगोया। भारत ने मंगलवार को मेजबान जापान को क्वार्टर फाइनल में 3-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष टीम बैडमिंटन स्पर्धा में अपना पदक पक्का कर लिया। लक्ष्य सेन, सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और आयुष शेट्टी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। लक्ष्य सेन ने जापान के कोइंडा नाराओका को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य को पहले गेम में 11-21 से हार मिली, लेकिन उन्होंने दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए 19-4 की बढ़त बनाई और गेम 21-5 से अपने नाम कर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में लक्ष्य एक समय 8-14 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दो अंक हासिल करते हुए गेम 21-19 से जीत लिया और भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी

ने जापान के होकी-कोबायाशी को 21-18, 24-22 से हराकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। भारतीय जोड़ी ने कई शुरुआती मुकाबले के बाद पहला गेम 21-18 से जीता। दूसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और स्कोर 19-19 तथा 20-20 की बराबरी पर पहुंचा। हालांकि, सात्विक और चिराग ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए गेम 24-22 से अपने नाम कर लिया। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एक और जीत की जरूरत थी और आयुष शेट्टी ने जापानी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ संयमित प्रदर्शन करते हुए यह काम पूरा किया। आयुष ने पहले गेम में 7-2 की बढ़त बनाई और इसे बढ़ाकर 16-5 कर दिया। उन्होंने पहला गेम 21-10 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी आयुष ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-19 से गेम जीतकर भारत को 3-0 की जीत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने पुरुष टीम बैडमिंटन स्पर्धा में पदक पक्का कर लिया है और टीम एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

मुरादाबाद की निशि कश्यप व मनीषा चौधरी का लखनऊ विमेंस क्रिकेट प्रीमियर लीग में चयन



प्रयास में भारती फुलमाली के हाथों कैच हो गई और खाता नहीं खोल सकीं। पावरप्ले के छह ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 41 रन था। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका की कप्तान अटापट्टु को 21 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 29 रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। इसके बाद भारतीय स्पिनरों ने श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह बिखेर दिया। श्रेयांका पाटिल ने हरशिता समरविक्रमा को खाता खोले बिना आउट किया, जबकि श्री चरणी ने हंसिमा करुणारत्ने को एक रन पर पवेलियन भेजा। दीप्ति ने कविशा दिलहारी को 11 रन पर आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9.1 ओवर में छह विकेट पर 49 रन हो गया। इसके बाद श्री चरणी ने काव्या कविंदी को दो रन पर आउट किया। दीप्ति ने सुगंधिका कुमारी को तीन रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। 15वें ओवर में मिथिला अयोध्या ने रन आउट कर श्रीलंका का नौवां विकेट गिराया। इसके बाद श्रेयांका पाटिल ने आखिरी विकेट लेकर श्रीलंका की पारी 69 रन पर समेट दी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिए। श्री चरणी ने चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट लिए। शेफाली वर्मा ने दो ओवर में तीन रन देकर दो विकेट और श्रेयांका पाटिल ने 1.4 ओवर में नौ रन देकर दो विकेट हासिल किए।

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी मंच देने के लिए पहली बार आयोजित हो रही राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। क्रिकेट के पीछे जिम्मेदारी संभालने के साथ बल्लेबाजी में भी टीम को मजबूती देने वाली निशि से लीग में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं मनीषा चौधरी दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देने की क्षमता रखने वाली मनीषा को भी नवाबी क्रॉस ने अपनी टीम में शामिल किया है।

होगी, जबकि फाइनल 28 सितंबर को लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेला जाएगा। निशि कश्यप विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। वह अंडर-19 और सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। क्रिकेट के पीछे जिम्मेदारी संभालने के साथ बल्लेबाजी में भी टीम को मजबूती देने वाली निशि से लीग में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं मनीषा चौधरी दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देने की क्षमता रखने वाली मनीषा को भी नवाबी क्रॉस ने अपनी टीम में शामिल किया है।



अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बैडमिंटन खिलाड़ी पिचमैन ओपाटिनिपुथ को प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाया।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

कोल इंडिया का सालाना सीएसआर खर्च लगभग एक हजार करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का व्यय बढ़कर अब करीब एक हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच गया है। सीआईएल ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सीएसआर पर 5,795 करोड़ रुपये की सांविधिक आवश्यकता की तुलना में 7,276 करोड़ रुपये व्यय किए हैं। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड ने लगातार अपनी सीएसआर जिम्मेदारियों से ज्यादा खर्च किया है। मंत्रालय ने कहा कि सीआईएल का वार्षिक व्यय जो कभी 500 करोड़ रुपये के आसपास था, वह अब लगभग एक हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसके कारण सीआईएल अब देश में सीएसआर पर सर्वाधिक खर्च करने वाली कॉर्पोरेट कंपनियों में शामिल हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि सीआईएल अपने सालाना %कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व% बजट का कम-से-कम 80 फीसदी हिस्सा अपनी खदानों और प्रतिष्ठानों के 25 किलोमीटर के दायरे में खर्च करती है, जिसमें प्रोजेक्ट से प्रभावित इलाकों को प्राथमिकता दी जाती है। बाकी बजट राज्य और राष्ट्रीय स्तर की पहलों पर खर्च किया जाता है। कोयला मंत्रालय के अनुसार स्थानीय इलाके पर इस फोकस के कारण सीआईएल का 90 फीसदी से ज्यादा सीएसआर खर्च कोयला-उत्पादक राज्यों में ही होता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि इसका फायदा मुख्य रूप से उन इलाकों को मिले, जो माइनिंग से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

स्टॉक मार्केट में शक्ति पॉलीटार्प की कमजोर शुरुआत, घाटे में रहे आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। प्लास्टिक तिरपाल और पैकेजिंग फैब्रिक बनाने वाली कंपनी शक्ति पॉलीटार्प के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में आज मामूली गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 59 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 पैसे के डिस्काउंट के साथ 58.90 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर लुढ़क कर 56.36 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इसकी स्थिति में सुधार होने लगा। लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही सुधार कर हरे निशान में 61.40 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर गिर कर 58.45 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 55 पैसे यानी 0.93 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 26.93 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिसांप्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 11.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 49.22 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 45.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। शक्ति पॉलीटार्प की निवेश स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

29 सितंबर को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। आयरन एंड स्टील सेक्टर की कंपनी आनंद सीमलेस लिमिटेड का 25.52 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 28 सितंबर को अलॉटिड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 29 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम चार बजे तक यह आईपीओ 59 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 72 रुपये प्रति शेयर

शुरुआती बढ़त के बाद गिरावट का शिकार हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.37 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज निफ्टी की वीकली एक्सपायरी के दिन शुरुआती बढ़त बनाने के बाद गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने तेजी हासिल कर ली, लेकिन यह तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। पहले एक घंटे का कारोबार खत्म होने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में पहुंच गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.44 प्रतिशत और निफ्टी 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि विदेशी निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली, ऊपरी स्तर पर हुई मुनाफा वसूली और आईटी स्टॉक्स की जोरदार गिरावट ने घरेलू शेयर बाजार में

निगेटिव सेंटिमेंट बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। इसके अलावा इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (इंडिया वीआईएक्स) की उछाल ने भी शेयर बाजार के कारोबार पर नकारात्मक असर डाला। बीएसई का सेंसेक्स आज 42.51 अंक यानी 0.06 प्रतिशत उछल कर 74,901.50 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक इस सूचकांक की चाल में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से पहले एक घंटे का कारोबार होने के कुछ देर बाद सेंसेक्स 179.94 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की छलांग लगा कर 75,038.93 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक गिर कर लाल निशान में पहुंच गया।



सऊदी अरब में कीएय एक्जोबोट सीडान को विश्व प्रीमियर में पेश किया गया। इस दौरान उनकी टेस्ट ड्राइव भी हुई।

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडेयम में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी 2026) में दुनियाभर से चावल की 200 किस्में प्रदर्शित की जाएंगी। भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन में दुनियाभर से व्यावसायिक महत्व वाली चावल को प्रदर्शित किया जा रहा है। यह अपनी तरह का पहला वैश्विक संग्रह अगले महिने नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारत समेत दुनिया के अलग-अलग देशों में मिलने वाले चावल की करीब 200 किस्में जल्द ही एक ही जगह देखने को मिलेंगी।

जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर लिमिटेड का आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 132-139 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली/मुंबई। आयरन और स्टील बनाने वाली कंपनी जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 सितंबर को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 29 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 132-139 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने मंगलवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर लिमिटेड का आईपीओ शुक्रवार, 25 सितंबर को खुलेगा और 29 सितंबर को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 132-139 रुपये प्रति शेयर तय किया है। जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर नए शेयर जारी करके 1,047 करोड़ के वैल्यूएशन पर 290 करोड़ रुपये तक जुटा रही है, जबकि प्रमोटर ऑफर फॉर-सेल (ओएफएस) के जरिए 10 लाख शेयर बेचेंगे। इन्वेस्टर कम-से-कम 107 इक्विटी शेयरों के लिए बोली

एशियाई खेल: भारतीय मुक़ेबाज जादुमणि सिंह ने नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को 5-0 से हराया

आइची-नगोया। भारतीय मुक़ेबाज जादुमणि सिंह ने मंगलवार को एशियाई खेलों के पुरुष मुक़ेबाजी मुकाबले में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ जादुमणि ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जादुमणि ने मुकाबले की शुरुआत संभलकर की। थापा ने कई मुकों के साथ आक्रामक शुरुआत करने की कोशिश की, लेकिन उनके कई प्रहार सही निशाने पर नहीं लगे। जादुमणि ने धैर्य के साथ अपने मुक़े लगाए और दोनों मुक़ेबाजों के बीच पहले राउंड में आक्रामक आदान-प्रदान देखने को मिला। थापा का एक मजबूत बायां हुक जादुमणि को लगा, जिससे पहला राउंड कड़ा हो गया। हालांकि, चार जर्जों ने यह राउंड भारतीय मुक़ेबाज के पक्ष में 4-1 से दिया। दूसरे राउंड में जादुमणि ने अपना प्रदर्शन और बेहतर किया। उन्होंने थापा पर लगातार दबाव बनाते हुए कई प्रभावी मुक़े लगाए। भारतीय मुक़ेबाज के दबाव में थापा संघर्ष करते नजर आए और थकान के संकेत भी दिखने लगे। जादुमणि ने यह राउंड भी 4-1 से अपने नाम किया। अंतिम राउंड में भी जादुमणि ने अपना दबाव बनाए रखा। उनके एक जोरदार बाएं हुक के बाद थापा को स्टैंडिंग काउंट लेना पड़ा। इसके बाद जादुमणि ने संयम बनाए रखते हुए थापा के बड़े प्रहारों से खुद को बचाया और एक और शानदार काउंटर लगाकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। जादुमणि ने अंंतर: सर्वसम्मत 5-0 से जीत दर्ज की और एशियाई खेलों में अपने अभियान को आगे बढ़ाया। अब वह पुरुष मुक़ेबाजी स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में उतरेंगे।

11 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं स्मृति मंधाना

आइची-नगोया। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। श्रीलंका के खिलाफ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक मुकाबले में 79 रन की शानदार पारी के दौरान मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। मंधाना ने 45 गेंदों पर पांच चौकों और सात छकों की मदद से 79 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 175.56 रहा। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 29 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छकों की मदद से 48 रन बनाए। मंधाना महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उन्होंने 179 मैचों की 172 पारियों में 31.00 की औसत और 127.47 के स्ट्राइक रेट से 4,867 रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और 37 अर्धशतक हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 124 रन है। महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मंधाना 5,411 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। उन्होंने 120 मैचों में 47.88 की औसत से ये रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 136 रन है। मंधाना ने नौ टेस्ट मैचों में 52.53 की औसत से 788 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में उनके नाम दो शतक और पांच अर्धशतक हैं तथा उनका सर्वोच्च स्कोर 149 रन है। कुल मिलाकर मंधाना ने 308 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11,066 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक शामिल हैं। वह महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक रन और सबसे ज्यादा शतक बनाने वाली बल्लेबाज भी हैं। मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मंधाना और शेफाली की 99 रन की साझेदारी के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद ऋचा घोष ने 22 गेंदों पर छह चौकों और तीन छकों की मदद से नाबाद 49 रन की तेज पारी खेलकर भारत को 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन और ऊर्जा भंडारण पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्रीने ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन कॉन्फेंस का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, पाँवर कट से पाँवर सरप्लस स्टेट अर्थात बिजली गुल से बिजली फुल राज्य बना है। हमारा प्रदेश आज देश के उन चुनिंदा राज्यों में से एक है जो अपनी ऊर्जा ज़रूरत से आगे बढ़कर देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने की क्षमता रखते हैं। वर्तमान में नवकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण केवल देश ही नहीं, अपितु समग्र पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आज मध्यप्रदेश में 32 हजार मेगावाट की ऊर्जा क्षमता है, जिसमें से 30ब हिस्सा क्लीन एनर्जी का है। मध्यप्रदेश, विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण की किफायती खरीद विषय पर आयोजित ऑल इंडिया डिस्काम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर यह विचार व्यक्त



किये। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस का भोपाल में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर पुस्तक सैलियंट पाँवर स्ट्रेटिस्टिक्स वर्ष 2024-25 से 2025-26% विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्युत वितरण कम्पनियों के इस साझा मंच से ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों के ठोस समाधान निकलेंगे। इस अवसर पर ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा ऑल इंडिया डिस्कॉम

एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल श्री आलोक कुमार, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह उपस्थित थे। कॉन्फ्रेंस में देश के विभिन्न विद्युत कम्पनियों के प्रतिनिधि तथा ऊर्जा विशेषज्ञों ने सहभागिता की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान समय में सभी क्षेत्रों में बिजली अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। राज्य सरकार बिजली की खपत बढ़ाने के साथ-

साथ इसके उत्पादन और संधारण पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य में बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए नई तकनीक के साथ नई इकाइयां प्रारंभ की गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में 360 डिग्री बदलाव आया है। जी-20 सम्मेलन में जब ग्रीन-क्लीन एनर्जी का उत्पादन बढ़ाने और उपयोग का मुद्दा उठा, तो भारत ऐसा देश रहा, जिसने 50 प्रतिशत ग्रीन एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करके दिखाया है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प से ही संभव हो पाया है। अब हम नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अपने रिकॉर्ड स्वयं तोड़ते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी क्षेत्रों की अपनी एक अलग विशेषता है। ग्रीन- गो ने नीमच-मंदसौर में 2000 मेगावाट क्षमता का प्लांट स्थापित किया है। यह देश का सबसे अनूठा और सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा। आमतौर पर इतनी बड़ी परियोजना का काम पूरा होने में 4 से 6 वर्ष लग जाते हैं।

जनहित के फैसलों से विकसित मप्र की दिशा में एक और बड़ा कदम : डॉ.सोलंकी

13,790 करोड़ के फैसलों को लेकर भाजपा महामंत्री ने जताया सरकार का आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में करीब 13,790 करोड़ रुपए से अधिक के वित्तीय प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में सिंचाई, बिजली,खेल,न्यायिक व्यवस्था,चिकित्सा शिक्षा और प्रशासन से जुड़े कई प्रस्तावों पर निर्णय लिया गया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री डॉ.सुमेर सिंह सोलंकी ने इन फैसलों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी। बैठक में प्रदेश के 140 विधानसभा क्षेत्रों में मुख्यमंत्री स्पোর্ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण और संचालन के लिए 962 करोड़ 50 लाख रुपए की सैद्धांतिक सहमति दी गई। सोलंकी ने कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। किसानों और सिंचाई से जुड़े प्रस्तावों में नीमच की जावद-नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 4,197 करोड़ 58 लाख रुपए, राजगढ़ की सुउलिया परियोजना के लिए 262 करोड़ 63 लाख रुपए और पार्वती-रिसी सिंचाई परियोजना के लिए 507 करोड़ 23 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई। सोलंकी के अनुसार, इन परियोजनाओं से 88 हजार हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई क्षमता



विकसित होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इससे संबंधित क्षेत्रों के किसानों को सिंचाई सुविधा का विस्तार मिलेगा। प्रदेश की भविष्य की बिजली ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए 2,800 मेगावाट ताप विद्युत खरीदने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। सोलंकी ने इसे बिजली की उपलब्धता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय बताया। मंत्रि-परिषद ने ग्राम न्यायालय योजना के संचालन के लिए 554 करोड़ 61 लाख रुपए, मध्यप्रदेश विधिक सहायता एवं विधिक सलाह बोर्ड के लिए 524 करोड़ रुपए, परिवार न्यायालयों के संचालन के लिए 1,000 करोड़ रुपए और उच्च न्यायालय की निरंतरता के लिए 2,015.60 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर में 13 नए शिक्षकीय पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई।

आयुष इंटर्न डॉक्टरों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट घेरा

मांगों को लेकर भोपाल कलेक्टर कार्यालय पहुंचे 100 से ज्यादा इंटरन डॉक्टर

भोपाल। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आयुष इंटरन डॉक्टरों ने मंगलवार को भोपाल कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 12 बजे 100 से अधिक इंटरन डॉक्टर कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्य गेट के बाहर प्रदर्शन करते हुए स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग रखी। सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्ट्रेट के मुख्य प्रवेश द्वार पर पुलिस बल तैनात किया गया और बाहरी गेट बंद रखा गया। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि मध्यप्रदेश में आयुष इंटरन डॉक्टरों का प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब हाल ही में गांधी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस इंटरन डॉक्टरों ने भी स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन किया था। आंदोलन के बाद एमबीबीएस इंटरन का स्टाइपेंड 50 प्रतिशत बढ़ाकर 21,500 रुपए प्रतिमाह किए जाने की घोषणा हुई थी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर भी विवाद हुआ था। लाठीचार्ज और वॉटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया था। मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई थी और घायल छात्रों के इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए गए थे। अब आयुष इंटरन डॉक्टरों ने भी अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन किया है। उनका कहना है कि उन्हें भी समान रूप से स्टाइपेंड में उचित बढ़ोतरी का लाभ मिलना चाहिए।

रुपए, पंजाब और उत्तराखंड में 15 हजार तथा राजस्थान में 14 हजार रुपए स्टाइपेंड दिया जा रहा है। राजस्थान में डीए भी दिए जाने का दावा किया गया है। हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में करीब 10 हजार रुपए स्टाइपेंड मिलने की बात प्रदर्शनकारियों ने कही। डॉक्टरों का कहना है कि राज्यों में स्टाइपेंड में अंतर को देखते हुए मध्यप्रदेश में भी राशि बढ़ाई जानी चाहिए। आयुष इंटरन डॉक्टरों का प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब हाल ही में गांधी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस इंटरन डॉक्टरों ने भी स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन किया था। आंदोलन के बाद एमबीबीएस इंटरन का स्टाइपेंड 50 प्रतिशत बढ़ाकर 21,500 रुपए प्रतिमाह किए जाने की घोषणा हुई थी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर भी विवाद हुआ था। लाठीचार्ज और वॉटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया था। मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई थी और घायल छात्रों के इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए गए थे। अब आयुष इंटरन डॉक्टरों ने भी अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन किया है। उनका कहना है कि उन्हें भी समान रूप से स्टाइपेंड में उचित बढ़ोतरी का लाभ मिलना चाहिए।

तरावली के जंगल में आबकारी विभाग और पुलिस की अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई



275 लीटर कच्ची शराब और 15 हजार किलो लाहन जलत, 2 बाँयलर व 30 से ज्यादा ड्रम मिले

भोपाल। राजधानी भोपाल से करीब 40 किलोमीटर दूर तरावली गांव के जंगल में मंगलवार तड़के आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध शराब बनाने के ठिकानों पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान करीब 275 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब और 15 हजार किलो लाहन बरामद किया गया। मौके से जमीन के अंदर बनाई गई 12 अवैध भट्टियां नष्ट की गईं, जबकि शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले 2 बाँयलर और 30 से

अधिक खाली-भरे ड्रम जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान ठिकानों पर मौजूद लोग टीम के पहुंचने की भनक लगते ही मौके से फरार हो गए। आबकारी विभाग ने जब्त सामग्री के आधार पर प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के अनुसार, तरावली गांव से दूर जंगल क्षेत्र में अलग-अलग डेरों में कच्ची शराब तैयार की जा रही थी। टीम ने खुले और खाली पड़े घरों तथा अन्य स्थानों की तलाशी ली। इस दौरान जमीन के अंदर अवैध तरीके से बनाई गई 12 भट्टियां मिलीं। टीम ने इन्हें मौके पर नष्ट किया। शराब तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे दो बाँयलर



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेंगलुरु में केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से सौजन्य भेंट की ।

डोल ग्यारस पर भगवान गणेश जी की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू

भोपाल। आज डोल ग्यारस के साथ ही गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन का सिलसिला भी प्रारंभ हो गया है,जो कल दोपहर तक जारी रहेगा। इस दौरान बड़ी मुर्तियों को शहर के बड़े तालाब अथवा छोटे तालाब में मुर्तियां विसर्जित की जाएगी। इधर गणेश प्रतिमाओं के ससम्मान विसर्जन को लेकर नगर निगम भोपाल ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने मंगलवार सुबह शहर के प्रमुख विसर्जन स्थलों, घाटों और कुंडों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों के विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक



व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने प्रेमपुरा, रानी कमलापति, खटलापुरा, शाहपुरा,

बैरागढ़, मालीखेड़ी और हथाईखेड़ा स्थित विसर्जन स्थलों एवं कुंडों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्याप्त

प्रकाश व्यवस्था, प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन एवं अन्य संसाधनों, साफ-सफाई तथा पेयजल की उपलब्धता की जानकारी ली। श्रीमती जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन स्थलों पर सफाई व्यवस्था लगातार उच्च स्तर की रखी जाए। प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद उनके अवशेषों को तत्काल बाहर निकालकर संबंधित स्थल को साफ कराया जाए,ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो और घाट एवं कुंड स्वच्छ बने रहें। निगम आयुक्त ने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी घाटों और कुंडों पर बैरिकेडिंग मजबूत रखी जाए। पर्याप्त संख्या में गोताखोर और नाव उपलब्ध रहें तथा सभी जहूरी संसाधनों एवं उपकरणों से लेस फायर ब्रिगेड का अमला तैनात रहे। इसके अलावा श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र और सूचना प्लेक्स लगाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि विसर्जन के दौरान किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से तैयार रहनी चाहिए। निगम आयुक्त ने सभी प्रमुख विसर्जन

स्थलों पर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम के माध्यम से विभिन्न विभागों और निगम के संबंधित अमले के बीच बेहतर समन्वय बनाया जाए, ताकि विसर्जन से वन-टू-वन चर्चा को पूरी हो सके। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश भी दिए। निगम आयुक्त ने डोल ग्यारस के अवसर पर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में छोटी गणेश प्रतिमाओं के ससम्मान विसर्जन के लिए बनाए गए अस्थायी एकत्रीकरण एवं विसर्जन स्थलों का भी निरीक्षण

किया। इन कुंडों पर श्रद्धालु गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छोटी प्रतिमाओं को कुंडों और पात्रों में पूरे विधि-विधान के साथ विसर्जित करने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अक्षय कुमार तेत्रवाल तन्मय वशिष्ठ शर्मा, वरुण अवस्थी, अमन मिश्रा, अभिषेक सिंह एवं वरुण बड़ेरिया, उपायुक्त धुवन गुप्ता एवं चंचलेश गिरहारे, मुख्य अभियंता संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग एवं आर.अर.जरीलिया सहित विभिन्न विसर्जन स्थलों पर तैनात अधिकारी मौजूद रहे।

